@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 14 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 6 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'योग बना भारत की वैश्विक पहचान का प्रवेश द्वार'

आयुर्वेद के प्रति भी बढ़ा दुनिया का भरोसा : प्रधानमंत्री

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि योग आज भारत की वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। दुनिया योग के जरिए भारत की सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और जीवन दर्शन को समझ रही है। योग के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ आयुर्वेद की स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है। विदेशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति दुनिया के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को बेंगलुरु के जिगनी स्थित प्रशांति कुटीरम में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यासा) विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वरिष्ठ विचारक एच.वी. शेषाद्रि की जन्मशताब्दी स्मरणोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने



संस्थान के गोल्डन जुबली एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक की आधारशिला रखी और केरल के तिरुवनंतपुरम में एस-व्यासा के ऑफ-कैंपस केंद्र का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग साधना और आध्यात्मिक परंपरा का केंद्र रही है। स्वामी विवेकानंद ने गुलामी के दौर में भारतीय युवाओं को योग और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया था। उनकी प्रेरणा से आगे बढ़ी योग की परंपरा आज दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच रही है। कतर के शाही परिवार सहित अनेक देशों के लोग भारतीय योग पद्धति से जुड़ रहे हैं। दुनिया के बड़े नेताओं और उनके परिवारों में भी योग का अभ्यास बढ़ रहा है। इससे भारत के प्रति वैश्विक आकर्षण और आत्मीयता में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। विभिन्न देशों में 150 से अधिक आयुर्वेद प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलना भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

बेंगलुरु मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार

पिंक लाइन के विस्तारित खंड का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को बेंगलुरु में नम्मा मेट्रो की पिंक लाइन के कालेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक विस्तारित खंड का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस विस्तार के साथ बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है और दिल्ली-एनसीआर तथा मुंबई के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला देश का तीसरा शहर बन गया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह उपलब्धि केवल परिवहन परियोजना का विस्तार नहीं है, बल्कि शहरवासियों का जीवन आसान बनाने और शहरी आवागमन को सुविधाजनक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं : राजनाथ सिंह

● रक्षा मंत्री ने लखनऊ में ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित 'दिव्य संस्कृति भवन' का किया लोकार्पण

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा लक्ष्य ऐसा राष्ट्र बनाना है, जहां परिवारों में संस्कार, समाज में सद्भाव, महिलाओं के प्रति सम्मान, युवाओं में अनुशासन और नागरिकों में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध हो। उन्होंने कहा कि देश केवल कानूनों से नहीं, बल्कि चरित्र से चलता है। कानून



व्यवस्था बनाए रख सकते हैं, लेकिन समाज में विश्वास और सद्भाव अच्छे संस्कारों से ही पैदा होते हैं। रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को लखनऊ के सुलतानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षण केंद्र गुलजार उपवन में नवनिर्मित 'दिव्य संस्कृति भवन' का लोकार्पण करने के बाद यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह भवन सूर्य की भांति आध्यात्मिकता के प्रकाश को लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में प्रसारित करने में सहायक होगा। ब्रह्माकुमारीज ने आध्यात्मिकता के माध्यम से लाखों लोगों को जीवन में पूर्णता की ओर बढ़ने का अवसर दिया है। संस्था लगभग 140 देशों तक पहुंचकर मानवता को शांति, संतुलन और आत्मसम्मान का संदेश दे रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की बहनें नशामुक्ति अभियान चला रही हैं। संस्था के सदस्य अपने सेवा कार्यों से राष्ट्र निर्माण को गति दे रहे हैं। ऐसे प्रयास आध्यात्मिक चेतना, सेवाभाव और समर्पण से ही संभव हैं। आध्यात्मिक विकास केवल व्यक्तिगत मुक्ति का मार्ग नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का भी माध्यम है।

शाह से डॉ. संजय निषाद की मुलाकात

2027 चुनाव को लेकर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान निषाद समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, पार्टी पदाधिकारियों से संबंधित विषयों और आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. संजय निषाद ने समाज की मांगों से संबंधित पत्र भी गृहमंत्री को सौंपा। भेंट के दौरान आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ने, जीत की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर सकारात्मक बातचीत हुई। मीडिया



से बात करते हुए डॉ. संजय निषाद ने कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निषाद पार्टी के लिए सदैव महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि अमित शाह के साथ हुई मुलाकात में समाज के हितों और संगठन से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। डॉ. संजय निषाद ने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में एनडीए की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ बनेगी। उन्होंने कहा कि जब भी दो नेता मिलते हैं, तो राजनीतिक विषयों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हुई बातचीत भी इसी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

काजीरंगा के पास बड़ा हादसा

मिनी बस और कंटेनर ट्रक की टक्कर, 20 लोगों की मौत

एजेंसी

काजीरंगा । असम में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कहां और कैसे हुआ हादसा?

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा कोहोरा रेंज में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर हुआ। यह घटना हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन इलाके में हुई। यहां यात्रियों से भरी मिनी बस की कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई।



गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्नानिल डेका ने पीटीआई को बताया, हमें शुरुआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है। हालांकि, शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक बस में 35 से ज्यादा यात्री सवार थे। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल ज्यादातर लोगों को बोकोखात और गोलाघाट के अस्पतालों में भेजा गया। कुछ घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भी रेफर किया गया।

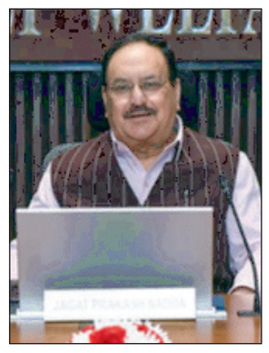
अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में दो महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कई कॉलेज के छात्र थे। हादसे के समय वे अपनी कक्षाएं खत्म करके लौट रहे थे।

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई के अच्छे नतीजे दिख रहे हैं: जेपी नड्डा

11 करोड़ से ज्यादा चेस्ट एक्स-रे और 3 करोड़ से ज्यादा मॉलिक्यूलर टेस्ट किए गए हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली । तपेदिक (टीबी) के खिलाफ देश की लड़ाई के अच्छे नतीजे सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जे.पी. नड्डा) की ओर से सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की गई है। जेपी नड्डा ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई के अच्छे नतीजे दिख रहे



हैं! डब्ल्यूएचओ ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 में भारत की बड़ी तरक्की को दिखाया गया है, जिसमें 2015 से टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है, जो दुनिया भर में 35 प्रतिशत की गिरावट और 94 प्रतिशत इलाज की सफलता दर को पार कर गई है।' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, टीबी के खिलाफ हमारी लड़ाई एक देशव्यापी जन आंदोलन बन गई है, जो तकनीक, सामुदायिक भागीदारी और मरीजों पर ध्यान देने वाली देखभाल से चल रही है।' उन्होंने लिखा, 'टीबी मुक्त भारत अभियान के जरिए, 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की तेज स्क्रीनिंग की गई है। 11 करोड़ से ज्यादा चेस्ट एक्स-रे और 3 करोड़ से ज्यादा मॉलिक्यूलर टेस्ट किए गए हैं। 48.64 लाख टीबी के मामलों का पता चला, जिनमें लगभग 15 लाख बिना लक्षण वाले मामले शामिल हैं, जिससे जल्दी इलाज हो सका। एआई-इनेबल्ड डायग्नोस्टिक्स से लेकर निक्षय पोषण योजना के तहत न्यूट्रिशनल सपोर्ट और निक्षय मित्रों की मेहनत से, हम टीबी केयर के हर पहलू को मजबूत कर रहे हैं।' जेपी नड्डा ने आगे लिखा, 'ये कामयाबियां हमारे इस इरादे को और पक्का करती हैं कि कोई भी टीबी मरीज पीछे न छूटे। जनभागीदारी और हमारी साझा प्रतिबद्धता के साथ, हम टीबी-मुक्त भारत की ओर बढ़ते रहेंगे।'

नहाय-खाय से शुरू हुआ छठ महापर्व

पूजा की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़े लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। आस्था और सूर्य उपासना को समर्पित चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ हो गई। दिल्ली में छठ पूजा की सामग्री खरीदने के लिए लोग बाजारों में बड़ी संख्या में बाजार आ रहे हैं। छठ पूजा का समापन 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा।

सूर्यदेव और छठी मैया को समर्पित चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय के साथ होने के बाद दिल्ली की आजादपुर मंडी, गाजीपुर मंडी, वाराणसी की फल मंडियों तथा विभिन्न स्थानीय बाजारों में खरीदारों के जुटने से कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बन गई है।

छठ महापर्व को लेकर छोटे-छोटे बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। फल, गन्ना, नारियल, सूप, दउरा और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदार पहुंचने लगे



हैं। मिट्टी के चूल्हे, नए बर्तन और छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री की मांग भी बढ़ रही है।

नहाय-खाय:- इस पर्व की शुरुआत स्नान और पवित्रता के साथ सात्विक भोजन (कद्दू-भात और चने की दाल) ग्रहण कर व्रती इस महापर्व की शुरुआत करती हैं।

खरना:- व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होता है।

संध्या अर्घ्य:-रविवार को शाम का अर्घ्य है। इस दिन नदी, तालाब या छठ घाटों पर एकत्र होकर अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।

उषा अर्घ्य और पारण:- सोमवार को ऊषा अर्घ्य के बाद पारण होता है। इस दिन व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करके चार दिवसीय महापर्व का समापन करेंगी।

दिव्या, विदित, तेजस्विन, त्रिशा समेत 17 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, एथलीट तेजस्विन शंकर तथा बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से अलंकृत किया गया। फुटबॉल खिलाड़ी इसायाह अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया।

वहीं, तीन प्रशिक्षकों को नियमित श्रेणी और दो प्रशिक्षकों को लाइफटाइम श्रेणी में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय सेना के पैरा खेल केंद्र पुणे को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला। वर्ष 2014 के बाद यह पहला अवसर है, जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया है। राष्ट्रपति भवन





में आयोजित समारोह में एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव और निशानेबाजी कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार और मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव को द्रोणाचार्य पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति से यह पुरस्कार ग्रहण किया। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती, डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर, एथलीट मुहम्मद अजमल वी. और रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी शामिल हैं। बैडमिंटन में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, मुक्केबाजी में नरेंद्र, हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा को यह सम्मान मिला। इनके अलावा पैरा निशानेबाज धनुष श्रीकांत और रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोइंग खिलाड़ी अरविंद सिंह और निशानेबाज अखिल श्योराण भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा

ओडिशा के 13 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

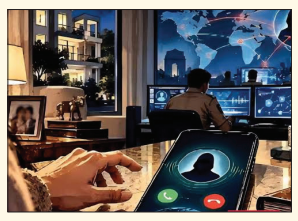
भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने शुक्रवार को राज्य के तटीय और दक्षिणी इलाकों के जिलाधिकारियों को अलर्ट किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान की आशंका जताई है। यह तूफान 16 नवंबर की शाम के आसपास आ सकता है। आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि आईएमडी ने अभी तक राज्य सरकार को इस संभावित तूफान के असर के बारे में जानकारी नहीं दी है। पुजारी ने यहां पत्रकारों से कहा, आईएमडी ने अभी कोई अनुमान नहीं जताया है। लेकिन हमने पहले ही एहतियाती कदम उठा लिए हैं। हमने उत्तरी, दक्षिणी और तटीय इलाकों के जिलाधिकारियों को सूचना दे दी है। उन्हें समुद्र में संभावित तूफान को लेकर तैयार और सतर्क रहने को कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि मंत्री वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करेंगे। वह आने वाले चक्रवात के संभावित असर का भी आकलन करेंगे।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर कार और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हादसा छावला इलाके में हुआ जिसकी सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक, हादसे में कार चालक की मौत हो गई और अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस दुर्घटना की वजह की जांच कर रही है।

दिल्ली के रक्षा उद्यमी को मिली जान से मारने की धमकी, पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के एक रक्षा उद्यमी ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगे जाने और जान से मारने की धमकी फिर से दिए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 'विजयन त्रिशूल डिफेंस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक साहिल लूथरा ने बृहस्पतिवार को चाणक्यपुरी थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया कि उन्हें बुधवार रात करीब आठ बजे यह धमकी मिली। उन्होंने इस धमकी के पीछे कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा का हाथ होने का आरोप लगाया है। लूथरा ने पुलिस से तत्काल सुरक्षा मुहैया कराने के साथ ही हालिया धमकी के मामले की विस्तृत जांच करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अपनी शिकायत में पिछले वर्ष 17 अक्टूबर को चाणक्यपुरी थाने में दर्ज एक मामले का भी उल्लेख किया है। लूथरा ने आरोप लगाया कि उन्हें 2024 से लगातार धमकियां मिल रही हैं और उनसे जबरन धन वसूलने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार पुलिस को उनकी हालिया शिकायत मिल गई है और आगे की आवश्यक कार्रवाई करने से पहले आरोपों और तथ्यों की पुष्टि की जा रही है।



मध्य जिले में मुठभेड़ के बाद वांछित गैंगस्टर गिरफ्तार : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने मध्य जिले में मुठभेड़ के बाद एक वांछित गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपी प्रकाश उर्फ आकाश, दिल्ली पुलिस के 'एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड' (एएटीएस) की टीम के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'वह नबी करीम थाने का घोषित बदमाश है और सितंबर में सदर बाजार-नबी करीम इलाके में शोभायात्रा के दौरान प्रकाश और विकास कालिया गिरोहों के बीच हुई हिंसक झड़प के मामले में वांछित था।' पुलिस इस मामले में आगे की जानकारी एक संवाददाता सम्मेलन में साझा करेगी।

दिल्ली में रोहिणी पुलिस के हत्थे चढ़ा 'बुलेट' बाज ड्रग तस्कर, 310 ग्राम हेरोइन और 2 iPhone जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 13 नवंबर (वेब वार्ता)। नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रोहिणी जिले की नारकोटिक्स स्क्वाड ने बुध विहार इलाके से शातिर ड्रग्स तस्कर विशाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 310 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, बरामद हेरोइन की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बुलेट बाइक और दो आईफोन भी जब्त किए हैं। रोहिणी जिले के डीसीपी का कहना है कि जिले में मादक पदार्थों की सप्लाई पर लगाम कसने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

पीछा कर दबोचा

इसी कड़ी में एसीपी अजमेर सिंह इंस्पेक्टर राकेश की टीम ने 12 नवंबर को इलाके में गश्त करने के दौरान बुध विहार स्थित 'खट्टे वाला पार्क' के पास एक बुलेट सवार युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही युवक ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

दो आईफोन कब्जे में लिए

वह बुलेट बाइक से लोगों को हेरोइन की आपूर्ति कर रहा था। उसकी पहचान सुल्तानपुरी के रहने वाले विशाल के रूप में हुई। बाइक की तलाशी पर 310 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जो कि एनडीपीएस एक्ट के तहत वाणिज्यिक मात्रा की श्रेणी में आती है। पुलिस ने मौके से उसकी रायल एनफील्ड बुलेट बाइक और दो आईफोन भी कब्जे में ले लिए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विशाल का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी जुआ अधिनियम और आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दो आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। इस संबंध में थाना बुध विहार में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत एफआइआर दर्ज कर विशाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब इससे पूछताछ कर ड्रग्स सिंडिकेट के आगे और पीछे की कड़ियों को खंगाल रही है, ताकि इस पूरे सप्लाई नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

बदमाशों को अवैध हथियार सप्लाई करने वाले दो तस्कर गिरफ्तार, THAR, 11 लाख नकद और 6 पिस्टल बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रोहिणी जिला के स्पेशल स्टाफ बदमाशों व सट्टेबाजों को अवैध हथियार आपूर्ति करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश कर दो मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पांच अत्याधुनिक पिस्टल और एक कट्टा, 24 कारतूस, 11 लाख रुपये नकद और एक महिंद्रा थार गाड़ी बरामद की गई है। थार से डिलीवरी देने आने के दौरान पुलिस टीम ने इन्हें दबोच लिया।

रोहिणी जिला पुलिस अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम जोगेंद्र उर्फ जाक व जानी उर्फ अक्षय है। दोनों, किराड़ी सुलेमान नगर के रहने वाले हैं। जोगेंद्र पर पहले से हत्या का एक और मारपीट के दो मामले दर्ज हैं। वहीं जानी पर पहले से हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

12 नवंबर को स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली एक तस्कर रोहिणी इलाके में किसी को हथियार आपूर्ति करने आने वाला है। एसीपी अजमेर सिंह व स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर की टीम ने बेगमपुर इलाके में महिंद्रा थार गाड़ी में हथियारों की डिलीवरी देने पहुंचे जोगेंद्र को दबोच लिया।

अवैध सट्टेबाजी का नेटवर्क

वहीं, तलाशी के दौरान उसके पास से दो अत्याधुनिक पिस्टल, एक कट्टा, 14 कारतूस और 11 लाख रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि जोगेंद्र, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी और नांगलोई इलाकों में अवैध सट्टेबाजी का नेटवर्क चलाता है। इन अवैध गतिविधियों के चलते उसे स्थानीय विरोधी गिरोहों खासकर हाल ही में स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए गैंगस्टर राहुल पचपच गिरोह से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं।

अंडरवर्ल्ड और स्थानीय अपराधियों के बीच अपना दबदबा कायम करने, नए लड़कों को गिरोह में भर्ती करने और विरोधी गिरोहों पर वर्चस्व जमाने के लिए जोगेंद्र अपने साथ भारी मात्रा में कैश और हथियार रखता था। वह अन्य स्थानीय बदमाशों को भी अवैध हथियार सप्लाई कर रहा था।

10 कारतूस बरामद किए

इस मामले में बेगमपुर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जोगेंद्र से सख्ती से पूछताछ के बाद हथियारों के मुख्य सप्लायर जानी की पहचान हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे भी गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से तीन अत्याधुनिक पिस्टल और 10 कारतूस बरामद किए। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग की छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से की मुलाकात, उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का दिया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली, 13 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र की छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर छठ महापर्व की तैयारियों की जानकारी ली। इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधियों ने मुनक नहर पर नवनिर्मित 11 किलोमीटर लंबे भव्य छठ घाट के लिए दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी सहित श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर बातचीत की और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के लिए सभी छठव्रती का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि सभी श्रद्धालु को सुविधा मिले, सभी परिवारों का पर्व आनंदमय हो और दिल्ली में छठ महापर्व की भव्यता नई ऊंचाइयों को छुए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष दिल्ली में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 1,482 से अधिक छठ घाट तैयार किया गया है।



दिल्ली के उपराज्यपाल संधू ने भीकाजी कामा प्लेस में बहुस्तरीय पार्किंग का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को यहां भीकाजी कामा प्लेस में बहुस्तरीय पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया। इसमें 432 कारों और 193 दोपहिया वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने कहा, ''6,040 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के भूखंड पर बनी इस पार्किंग सुविधा का कुल निर्मित क्षेत्र 15,449 वर्ग मीटर है। इसमें एक भूमिगत तल, भूतल, दो ऊपरी मंजिलों और छत पर पार्किंग की व्यवस्था है।''

अधिकारियों ने बताया कि 40 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस पार्किंग में फास्टैग के जरिये प्रवेश की व्यवस्था, एक साथ 18 कारों को शुल्क लेकर चार्ज करने के लिए 'इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग' की सुविधा, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन सेवाओं के लिए डीजी से बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन प्रणाली और प्रत्येक मंजिल तक जाने के लिए लिफ्ट की सुविधा शामिल है।



डीडीए ने एक बयान में कहा, ''एक साल के भीतर डीडीए द्वारा पूरी की गई यह दूसरी प्रमुख बहुस्तरीय कार पार्किंग सुविधा है। डीडीए ने फरवरी 2026 में नेहरू प्लेस में छह मंजिला पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया था। इसमें 660 कारों और 350 दोपहिया वाहनों को खड़ा करने की क्षमता है। इसमें दिव्यांगजनों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए भी पार्किंग के निर्धारित स्थान हैं।''

अधिकारियों ने बताया कि इन व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में लंबे समय से पार्किंग की जगह की कमी और सड़कों के किनारे अनधिकृत रूप से वाहन खड़े करना बड़ी चुनौतियां रही हैं।

अब बाजारों के बीच नहीं हो सकेंगे धरना-प्रदर्शन! 25 राज्यों के व्यापारियों ने पास किया प्रस्ताव; रखी ये मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।

बाजारों में व्यापारिक गतिविधियां और आम लोगों की आवाजाही बाधित करने वाले धरना-प्रदर्शनों को लेकर कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्र और राज्य सरकारों से देशभर में एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है।

नई दिल्ली में आयोजित कैट की राष्ट्रीय बैठक में 25 राज्यों के व्यापारी नेताओं ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर प्रमुख शहरों और जिला मुख्यालयों के बाहरी क्षेत्रों में धरना-प्रदर्शन के लिए स्थायी स्थल विकसित करने की मांग उठाई।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि बैठक में व्यापारी नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर व्यापारिक गतिविधियों को ठप करना, सार्वजनिक मार्गों को अवरुद्ध करना और आम जनजीवन को प्रभावित करना उचित नहीं है। प्रदर्शन ऐसे स्थानों पर होने चाहिए, जहां से बाजारों, रिहायशी क्षेत्रों और जरूरी सार्वजनिक सुविधाओं पर असर न पड़े।

'अनुच्छेद 21 जीवन और आजीविका की सुरक्षा से जुड़ा है'

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और व्यवसाय करने का अधिकार दिया गया है। वहीं अनुच्छेद 21 जीवन और आजीविका की सुरक्षा से जुड़ा है। इन अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। किसी संगठन या समूह को पूरे शहर के आर्थिक और नागरिक जीवन को बाधित करने की छूट नहीं दी जा सकती।

बैठक में सर्वोच्च न्यायालय के अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) और मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) के फैसलों का भी उल्लेख किया गया। कैट के अनुसार, इन फैसलों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को स्वीकार करते हुए सड़कों और आवश्यक स्थानों पर अनिश्चितकालीन कब्जे को उचित नहीं माना गया है।

कैट का कहना है कि व्यावसायिक क्षेत्रों में सड़क जाम और लंबे समय तक चलने वाले धरना-प्रदर्शनों से व्यापारियों, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई), दिहाड़ी मजदूरों, ट्रांसपोर्टरों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ग्राहकों की बाजारों तक पहुंच प्रभावित होती है और माल की आपूर्ति भी बाधित होती है।

पूर्व अनुमति अनिवार्य करने की मांग

कैट ने प्रत्येक प्रमुख शहर और जिला मुख्यालय के बाहरी क्षेत्रों में धरना-प्रदर्शन के लिए स्थायी स्थल बनाने, थोक एवं खुदरा बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों को प्रदर्शनों से मुक्त रखने तथा आयोजनों के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति अनिवार्य करने की मांग की है।

इसके अलावा प्रदर्शन के लिए निश्चित स्थान और समय-सीमा तय करने, सड़कों एवं बाजारों के प्रवेश द्वारों पर अनिश्चितकालीन कब्जे रोकने और अस्पतालों, स्कूलों तथा आपातकालीन सेवाओं तक आवागमन सुचारू रखने की मांग भी की गई है। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले संगठनों की जवाबदेही तय करने और हिंसा या सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में कानून के अनुसार कार्रवाई के साथ क्षतिपूर्ति वसूलने की भी मांग की गई है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि संगठन इस मुद्दे को प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, पुलिस आयुक्तों और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष उठाएगा। जरूरत पड़ने पर न्यायिक और संवैधानिक उपाय भी अपनाए जाएंगे।

दुर्लभ बीमारी से जूझ रही नौ माह की बच्ची के इलाज के लिए एसओएल देगा 11 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में दुर्लभ बीमारी से जूझ रही एक शिक्षक की नौ माह की बच्ची के इलाज के लिए डीयू कुलपति ने 17 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बच्ची को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-2 नामक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी है। बच्ची का इलाज एम्स में चल रहा है। उपचार पर आने वाले खर्च को देखते हुए एसओएल 11 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराएगा।

डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बच्ची के इलाज के लिए विशेष समिति गठित की थी। समिति ने बीमारी और उपचार से जुड़े तकनीकी पहलुओं पर विचार करने के बाद सर्वसम्मति से 17 करोड़ रुपये की सहायता के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इससे पहले एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने इस प्रस्ताव को एसओएल की गवर्निंग बॉडी (जीबी) के समक्ष रखा था, जहां इसे मंजूरी मिली।

प्रो. पायल मागो ने बताया कि बच्ची के उपचार के लिए दवा की कीमत करीब 17 करोड़ रुपये थी। बातचीत के बाद इसकी कीमत कम कराई गई है और एसओएल की ओर से इलाज के लिए 11 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। बच्ची के उपचार के लिए एसओएल शिक्षक संघ ने क्राउड फंडिंग और सरकारी सहायता के माध्यम से धन जुटाने का प्रयास किया था। इसके तहत अब तक 3.11 करोड़ रुपये एकत्र हुए, लेकिन इलाज के लिए यह राशि पर्याप्त नहीं थी। इसके बाद प्रो. मागो ने कुलपति से आर्थिक मदद का अनुरोध किया। विश्वविद्यालय की विशेष समिति ने मामले पर विचार कर सहायता के प्रस्ताव को मंजूरी दी। उसके बाद अब एसओएल 11 करोड़ की राशि बच्ची के इलाज के लिए देगा।

ऐसा पहली बार है जब दिल्ली विश्वविद्यालय ने किसी के इलाज के लिए इतनी बड़ी राशि को मंजूरी दी है।

यमुना में मरी मछलियां डालकर वीडियो बनाए, कोई इतना नीचे कैसे गिर सकता है : मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करके अरविंद केजरीवाल को घेरा है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'राजनीति में इतना भी गिरा जा सकता है, ये कोई कल्पना नहीं कर सकता, जो केजरीवाल और उनके साथियों ने परसों किया है। भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने यमुना को 60 प्रतिशत तक साफ करने का रिकॉर्ड कायम किया। दिल्ली के लोग सोशल मीडिया पर इसकी वीडियो पोस्ट कर रहे थे। उनको (अरविंद केजरीवाल) इतनी पीड़ा हुई कि बाजार से मरी हुई मछलियां लेकर आए और यमुना में डालकर वीडियो बनाने लगे।'

उन्होंने कहा, 'यहां पर छठ मैया की पूजा होनी है। बहनें यहां आकर अर्घ्य देंगी। उसमें ये (अरविंद केजरीवाल) मरी मछलियां डाल रहे हैं। इससे बड़ा पाप क्या हो सकता है? दिल्ली वालों को बताना चाहता हूं कि कभी यमुना जी में सफेद मछलियां दिखी थीं। ये मरी हुई मछलियां कहां से आईं। आम आदमी पार्टी पर अब धब्बे लग रहे हैं कि दिल्ली के 60 प्रतिशत कूड़े के पहाड़ हट गए, 60 प्रतिशत यमुना जी साफ हो गईं। दिल्ली में प्रदूषण घटने लगा और बीते 10 वर्षों में सबसे साफ दिन हो गए और दीपावली के बाद इतने साफ और खुले दिन हैं। उनको ये बर्दाश्त नहीं हो रहा है।'

दिल्ली के मंत्री ने कहा, 'राजनीति में सीमाएं होती हैं, कोई इतना नीचे गिर जाएगा कि व्रत रखने वाली बहनों की भी चिंता नहीं है। आम आदमी पार्टी वही पार्टी है, जिसने यहां बोर्ड लगा दिए थे कि यमुना में आकर किसी ने छठ पूजा करने की कोशिश की तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। छठ पूजा करने वालों पर एफआईआर दर्ज करा दी थी। हमारी सरकार ने 60 प्रतिशत यमुना जी को साफ करने का एक नया कीर्तिमान हासिल किया है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता अच्छे हैं, आम आदमी पार्टी के नेता ही गंदे हैं।'



मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि जब 'आप' नेता ऐसा पाप करें तो उनको रोको। इसमें पूर्वांचल के भाई लोग भी हैं, उनको ऐसा नहीं करना चाहिए।'

आम आदमी पार्टी का दावा- 'दिल्ली सरकार ने वासुदेव घाट पर बनाई नकली यमुना', भाजपा ने लगाया अफवाह फैलाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। छठ पर्व के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर 'नकली यमुना' बनाने का आरोप लगाया है। पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने वासुदेव घाट पर 'नकली यमुना' को पानी देने के लिए जमीन के नीचे पीने के पानी की पाइपलाइन लगाई है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'नकली यमुना फिर से। इस साल भी भाजपा सरकार ने वासुदेव घाट पर 'नकली यमुना' को पानी देने के लिए जमीन के नीचे पीने का पानी की पाइपलाइन लगाई है।' सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'पिछले साल भाजपा की दिल्ली सरकार ने यमुना साफ होने का झूठा दावा करने के लिए 'नकली यमुना' बनाई थी। जब हमने उन्हें बेनकाब किया, तो यह पूरे देश के लिए शर्म की बात बन गई। इस साल भी सरकार झूठा दावा कर रही थी कि उन्होंने यमुना साफ कर दी है। फिर उन्हें पीने का पानी क्यों चाहिए, वह भी जमीन के नीचे छिपी पाइप से?' इस वीडियो को शेयर करते हुए आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया, 'भाजपा सरकार झूठ और दिखावे की राजनीति में इस हद तक उतर आएगी, शायद ही किसी ने सोचा होगा। पिछले साल छठ महापर्व पर यमुना साफ होने का झूठा दावा करने के लिए नकली घाट बनाया गया था। जब भाजपा की पोल खुली तो पूरे देश के सामने शर्मिंदगी उठानी पड़ी। लेकिन इस साल भी सबक लेने के बजाय वासुदेव घाट पर फिर वही खेल दोहराया जा रहा है।' पार्टी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'इस बार घाट में पानी पहुंचाने के लिए जमीन के नीचे पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाई गई है। जब यमुना साफ है, तो फिर जमीन के नीचे पाइपलाइन बिछाने की जरूरत क्यों पड़ी?' उधर, भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। दिल्ली भाजपा ने 'एक्स' पर एक और वीडियो शेयर किया। साथ ही, पोस्ट में लिखा, 'केजरीवाल जी और कितना नीचे गिरोगे? 2 साल के अंदर ही आधे से अधिक यमुना साफ क्या हुई आपिए बौखला कर देखिए क्या अफवाह फैला रहे हैं।'

दिल्ली में फिर मर्डर, गगन पार्क में धारदार हथियार से युवक की हत्या कर फरार हुए बदमाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में गगन वाले पार्क में एक युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नहीं हुई है। उम्र करीब 35 वर्ष है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात 12:30 बजे सूचना मिली कि गगन पार्क में छतरी के नीचे एक युवक का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा है।

जीटीबी अस्पताल पहुंचाया

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। हत्या का क्या कारण रहा और मृतक की पहचान करने का पुलिस प्रयास कर रही है।

दिल्ली में छठ पूजा की छुट्टी का एलान, सोमवार को बंद रहेंगे सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल; निदेशालय का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। छठ पूजा के अवसर पर राजधानी के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूल 16 नवंबर (सोमवार) को बंद रहेंगे। इसके साथ ही दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों में भी अवकाश रहेगा। 17 नवंबर से स्कूल खुले रहेंगे। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय ने सभी संबंधित स्कूलों और कार्यालयों को अवकाश रखने का निर्देश दिया है। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की ओर से छठ पूजा के अवसर पर 16 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया है।

सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर खुलेंगे कारोबार के नए रास्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख परिवहन केंद्र सराय काले खां की तस्वीर आने वाले समय में बदलने वाली है। यहां नमो भारत स्टेशन के आसपास तीन हिस्सों में कुल 5,015 वर्ग मीटर जमीन पर व्यावसायिक विकास किया जाएगा। इससे क्षेत्र में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ यात्रियों को भी भविष्य में बेहतर व्यावसायिक सुविधाएं मिलेंगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रॉपर्टी डेवलपमेंट की निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को स्टेशन परिसर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्टेशन क्षेत्र को आधुनिक शहरी ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करना है। योजना के तहत 21,063 वर्ग मीटर का आधार निर्माण क्षेत्र (बेस बिल्ट-अप एरिया) निर्धारित किया गया है।

तीन हिस्सों में होगा विकास, सबसे बड़ा हिस्सा पीडी-3

निविदा में तीन पॉकेट शामिल किए गए हैं। इनमें विकास के लिए पीडी-2 का क्षेत्रफल 1,196 वर्ग मीटर, पीडी-2ए का 1,083 वर्ग मीटर और पीडी-3 का 2,736 वर्ग मीटर है। इस तरह कुल 5,015 वर्ग मीटर क्षेत्र व्यावसायिक विकास के लिए उपलब्ध होगा। जबकि निर्माण के लिए पीडी-2 में 6,300 वर्ग मीटर, पीडी-2ए में 1,083 वर्ग मीटर और पीडी-3 में 13,680 वर्ग मीटर आधार निर्माण क्षेत्र तय किया गया है।

तालाब में मिला युवक का शव, चेहरे पर चोट के निशान, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

बदायूं। बदायूं के दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव नथनीपुर में बुधवार सुबह 18 वर्षीय युवक का शव तालाब में मिला। तालाब से गोताखोरों ने युवक का शव निकाला। परिजनों का कहना है कि उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। उन्होंने गांव के ही एक व्यक्ति और उसके परिवार पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम हाउस पर पहुंचे नथनीपुर गांव निवासी गणपत ने बताया कि उनका 18 वर्षीय भाई उमेश उर्फ सोनी मंगलवार शाम करीब सात बजे गांव में ऋषिपाल की आटा चक्की पर गेहूं पिसाने गया था। चक्की पर ऋषिपाल के बेटों ने उमेश पर तौलने वाला बाट चोरी करने का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान ऋषिपाल के बेटे मुनेंद्र समेत अन्य लोगों ने लोहे के बाट से उमेश पर हमला कर दिया, जिससे उसकी आंख बुरी तरह जख्मी हो गई। पिता के मुताबिक, जान बचाने के लिए उमेश वहां से भागा और हड़बड़ाहट में गांव के पास स्थित तालाब में गिर गया। सूचना मिलने पर वह और उनका भाई उमेश बचाने के लिए पानी में कूद पड़ा, लेकिन गहराई अधिक होने के कारण वह भी डूबने लगे। इससे वे बाहर निकल आए। आरोप है कि इस दौरान ऋषिपाल और उनके बेटे पास खड़े देखते रहे। उन्होंने कोई मदद नहीं की। इसके बाद ग्रामीणों ने तैरकर और नावों की मदद से देर रात तक उमेश की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सूचना पर रात में ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बुधवार सुबह गोताखोरों को बुलाया गया। करीब नौ बजे उन्होंने तालाब से उमेश का शव बरामद कर लिया। चेहरे पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सीओ दातागंज अशेष नाथ सिंह ने बताया कि शव को पंचनामा भर कर पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई

हरदोई। गंगा एक्सप्रेस-वे पर सांडी थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 317 पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में कार सवार दंपती और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मदद के लिए देर से पहुंचने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और यूपीडा के वाहन को पलट दिया। प्रयागराज के मुड़ैरा निवासी सौरभ उपाध्याय एक साफ्टवेयर कंपनी चलाते थे और नोएडा में परिवार समेत रहते थे। छठ पूजा के लिए वह पत्नी मेनका, दो बेटों शिवओम और व्योम उपाध्याय के साथ बुधवार को नोएडा से प्रयागराज जाने को निकले थे। गंगा एक्सप्रेस-वे पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सौरभ और मेनका की मौके पर ही मौत हो गई। शिवओम ने सांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और व्योम ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया।

पत्नी का जिम ट्रेनर से अफेयर, बीवी ने प्रेमी ने कराया अटैक; पहले पति से लिया था तलाक

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके के वसुंधरा सेक्टर-1 इलाके में सोमवार सुबह घर में सो रहे सीनियर अकाउंटेंट शशांक कंथारिया (भारत सरकार के पोस्टल विभाग में तैनात) पर एक नकाबपोश ने चाकू से हमला करके घायल कर दिया। उनके सिर, पेट, सीने, गर्दन और हाथ पर 10-12 बार हमला किया गया। पीड़ित की चीख पुकार सुनकर पड़ोसी आए तो नकाबपोश मौका पाकर भाग निकला। वहीं, घायल अकाउंटेंट साहस दिखाते हुए बाहर आए तो आसपास के लोगों ने उनको निजी अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस को सूचना दी। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि घायल रितेश की शिकायत पर उनके भाई शशांक की पत्नी प्रिया और उसके प्रेमी प्रताप (जिम संचालक) के खिलाफ जानलेवा हमले और हत्या की साजिश आदि समेत गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने महिला और उसके प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो प्रेम संबंध की बात सामने आई। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मूलरूप से झांसी के पुरानी परसठ गंधीदर निवासी रितेश कंथारिया ने दी शिकायत में बताया कि उनका भाई शशांक कंथारिया (35) वसुंधरा सेक्टर-1 में पत्नी प्रिया शर्मा और साढ़े तीन साल की बेटी के साथ किराये के मकान में रहते हैं। शशांक और उनकी पत्नी प्रिया शर्मा दोनों ही दिल्ली के करोलबाग स्थित पोस्टल विभाग में सीनियर अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत हैं। शशांक की तैनाती के एक साल बाद प्रिया की नौकरी लगी थी। एसीपी ने बताया कि फरवरी-2026 में प्रिया ने वसुंधरा स्थित फिटनेस हैड क्वार्टर जिम ज्वाइन किया था। वहां पर उसकी मुलाकात शामली के बझेड़ी गांव निवासी प्रताप सिंह (जिस संचालक/ट्रेनर) से हुई थी। बकौल तहरीर



कुछ दिन बाद ही प्रिया ने निजी तौर पर ट्रेनिंग के लिए आवेदन किया। पुलिस जांच में सामने आया कि जिम ट्रैनिंग के दौरान प्रिया और प्रताप में नजदीकी बढ़ी और प्रेम संबंध बन गए। इसके बाद दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे, लेकिन इसकी भनक शशांक को लग गई। उन्होंने, इस मसले पर प्रिया का विरोध करना शुरू किया तो दोनों में अकसर झगड़ा रहने लगा। पड़ोसियों ने भी आए दिन झगड़े की बात की पुष्टि की है। एसीपी के मुताबिक, प्रिया और प्रताप के बीच में शशांक रोड़ा बन रहा था और रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने साजिश रखी। प्रताप सिंह ने सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे घर में घुसकर शशांक पर चाकू से 12 बार जानलेवा हमला कर उनको घायल कर दिया। पड़ोसियों ने शशांक को इंदिरापुरम के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां पर उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। एसीपी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रिया शर्मा की वर्ष 2018 दिल्ली में बेराजगार पति से पहली शादी हुई तो दोनों के बीच रोज लड़ाई-झगड़ा होता। हालांकि दोनों के बीच तलाक हो गया। इसके बाद प्रिया ने वर्ष 2019 में शशांक से प्रेम विवाह कर दूसरी शादी की। उनकी साढ़े तीन साल की बच्ची भी है। पुलिस ने फिलहाल बच्ची को मौसी के सुपुर्द कर दिया है। आरोप है कि वारदात के दौरान प्रिया और प्रभात ने साजिश के दौरान समय का विशेष ध्यान रखा। सुबह 5:30 बजे प्रिया हर दिन की तरह घर से जिम के लिए निकल गई, जबकि पति शशांक घर में सोते रहे। उसके निकलने के करीब दो मिनट बाद 5:32 बजे प्रताप फ्लैट में दाखिल हुआ और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का दावा है कि समय का खेल इसलिए खेला गया कि दोनों के एक साथ घर में मौजूद रहने पर किसी को संदेह न हो।

भाई दूज पर उठी चार भाइयों की अर्थी, गोविंद को नौ माह के मासूम ने दी मुखाग्नि; मंजर देख हर कोई रो पड़ा

आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर इटावा के चौबिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुए हादसे में घायल बोदला के शारदा विहार निवासी एक और भाई ने दम तोड़ दिया। दर्दनाक हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गई। इस घटना ने दो परिवारों के चार सदस्यों को लील लिया। इनमें तीन सगे भाई थे तो चौथा मौसेरा भाई था। बुधवार को चारों के शव घर पहुंचते कोहराम मच गया। महिलाओं की चीत्कार गूंज उठी। करुण क्रंदन सुनकर हर किसी की आंख नम हो गई। सबसे बड़ा दुख लकवाग्रस्त पिता का है। उनके बुढ़ापे का अब कोई सहारा नहीं बचा। शाम को एक साथ चार अर्थियां उठीं। बोदला स्थित शारदा विहार निवासी मोहित तीन साल से दिल्ली में कार चला रहे थे। उन्होंने 15 दिन पहले नई अर्टिगा कार खरीदी थी। इसे वो टैक्सी में चलाना चाहते थे। वह कार का पूजन औरैया के बिधूना थाना क्षेत्र के पटना मूल गांव में करना चाहते थे। मंगलवार सुबह 11 बजे वो भाई गोविंद, हरिओम, भतीजे हिमांशु, रोहताश और मौसेरे भाई विकास के साथ कार से निकले थे। इटावा के चौबिया थाना क्षेत्र में चौपला कट के पास डीसीएम में कार पीछे से घुस गई। हादसे में विकास, मोहित और गोविंद की मौत हो गई थी। हरिओम, हिमांशु और रोहताश को अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात हरिओम की भी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादसे में तीन सगे भाइयों की मौत से परिवार का हाल बेहाल है। उनके पिता परशुराम लकवाग्रस्त हैं। मां सावित्री देवी भी वृद्ध हैं। तीनों भाइयों में गोविंद ही शादीशुदा था। उसकी पत्नी खुशी के भी मां-पिता नहीं है। नौ महीने का बेटा वंश है। अब घर में कोई कमाने वाला नहीं है। उनका खुद का घर भी न होने से हर कोई एक ही बात बोल रहा था कि अब परिवार का कौन सहारा बनेगा। वृद्ध मां-पिता की देखभाल कौन करेगा। बेटे वंश की जिम्मेदारी कौन संभालेगा। बुधवार शाम को पांच बजे चारों शवों को आगरा लाया गया। शारदा विहार में शवों के पहुंचते ही महिलाओं का करुण क्रंदन गूंजने लगा। मोहल्ले में भी सैकड़ों की संख्या में लोग जुट गए। शवों को अंतिम संस्कार के लिए कैलाश घाट पर ले जाया गया। गोविंद को मुखाग्नि नौ माह के बेटे वंश ने दी। यह दृश्य देखकर हर आंख नम हो गई। वहीं बाकी भाइयों को परिवार के लोगों ने मुखाग्नि दी। वहीं मोहित के मौसेरे भाई विकास की चार महीने की बेटी है। पत्नी रिहा रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उसे परिवार की महिलाएं संभाल रही थीं। हादसे का शिकार हुए नई कार लेकर मोहित और उसका भाई गोविंद बिधूना के पटना गांव स्थित पैतृक गांव व चौबिया के लोकपुरा गांव घूमने जाना चाहते थे। एसओ महेंद्र सिंह ने बताया कि पूछताछ में जानकारी मिली है कि सभी चौपला कट से उतरकर पहले लोकपुरा गांव जाना चाह रहे थे, फिर अचानक मन बदल गया और लौटते में आने की बात सोचकर सीधे बिधूना के लिए निकल रहे थे। एसओ ने बताया कि इस बीच चौपला से लगभग दो किमी आगे ही वह हादसे का शिकार हो गए। हादसे के वक्त कार की स्पीड लगभग 120 किमी प्रति घंटे बताई गई है।

मजिस्ट्रेट के आदेश पर खोदी जा रही एएमयू प्रोफेसर के पत्नी की कब्र, हत्या के आरोप से बढ़ा विवाद

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के लॉ विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर शब्बीर अहमद की पत्नी की कब्र खोदने की कार्रवाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मजिस्ट्रेट के आदेश पर कब्र खोदी जा रही है। मृतका की बेटी ऐश मोहम्मद ने अपने चाचा और चचेरे भाइयों पर जबरन कब्र खुदवाने का आरोप लगाया है। वहीं, मृतका के भतीजे ने अपनी बड़ी अम्मी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर विश्वविद्यालय के कब्रिस्तान में पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रोफेसर शब्बीर अहमद की पत्नी को 18 अगस्त को एएमयू के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया था। परिजनों के मुताबिक, वह काफी समय से बीमार थीं। अब उनकी मौत को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं। मृतका की बेटी ऐश मोहम्मद का आरोप है कि उनके चाचा और चचेरे भाई उनकी मां की कब्र जबरन खुदवाना चाहते हैं।

हादसे के बाद यात्री भगवान भरोसे, खाना मिला और न दूसरी ट्रेन,प्लेटफॉर्म पर घंटों इंतजार करते रहे यात्री

कानपुर। कानपुर सेंट्रल पर चौरी-चौरा एक्सप्रेस के चार कोच बेपटरी होने के बाद रेलवे के यात्री सुविधा के दावों की पोल खुल गई। हादसे के बाद यात्रियों को न तो दूसरी ट्रेन की व्यवस्था मिली और न ही खाना-पानी। यह तक नहीं बताया गया कि अब उन्हें आगे कैसे भेजा जाएगा। यात्री जब अपने टिकट का रिफंड लेने काउंटर पर पहुंचे तो उन्हें ट्रेन के अब चल देने की बात बताकर बैरंग लौटा दिया गया। ऐसे में रेलवे की ओर से 100 फीसदी रिफंड के दावों की भी पोल खुल गई। बुधवार शाम करीब पांच बजे हुए हादसे के बाद यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ती रही। ट्रेन में बड़ी संख्या में छठ पूजा के लिए घर लौट रहे यात्री सवार थे। परिवार और बच्चों के साथ सामान लेकर सफर कर रहे यात्रियों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोई आगे की यात्रा को लेकर परेशान दिखा तो कोई टिकट के पैसे वापस कराने के लिए अधिकारियों के चक्कर काटता रहा। यात्रियों का आरोप था कि रेलवे ने न तो उन्हें दूसरी ट्रेन में जगह दी और न ही खाने-पीने की कोई व्यवस्था की। सूचना देने के नाम पर भी यात्री प्लेटफॉर्म पर भटकते रहे। हादसे के बाद चार क्षतिग्रस्त कोचों को छोड़कर बाकी ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर तीन से रात करीब आठ बजे रवाना किया गया। हादसा करीब शाम 5:03 बजे हुआ था। इस तरह ट्रेन करीब दो घंटे 57 मिनट की देरी से रवाना हो सकी। हैरानी की बात यह रही कि हादसे में प्रभावित चार एसी कोचों के यात्रियों को ट्रेन में नहीं बैठाया गया। उन्हें प्लेटफॉर्म पर ही रोक दिया गया। यात्रियों को बताया गया कि उनके लिए बाद में विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए उन्हें इंतजार करने को कहा गया लेकिन इस दौरान यात्रियों को स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी कि उन्हें कब और कैसे उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने हादसे के बाद घोषणा की थी कि जो यात्री यात्रा नहीं करना चाहते उन्हें टिकट का 100 फीसदी रिफंड दिया जाएगा। यात्रियों के मुताबिक जब वे टिकट वापस करने पहुंचे तो रेलवे कर्मचारियों ने ट्रेन के रवाना हो जाने का हवाला देकर टिकट लौटाने से मना कर दिया। ऐसे में हादसे के बाद यात्रा भी छूटी और टिकट के पैसे वापस नहीं मिले। यात्रियों ने सवाल उठाया कि जब रेलवे ने खुद पूर्ण रिफंड की घोषणा की थी तो काउंटर पर टिकट वापस करने से इन्कार क्यों किया गया।

निवेश पर दोगुना रिटर्न का झांसा देकर ढाई लाख ठगे

कानपुर। कल्याणपुर के आर्यनगर भट्ठा निवासी राम लखन ने पुलिस को बताया कि कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाने वाले शिव कुमार, पूजा कुशवाहा, उनके रिश्तेदार सस्ते दाम पर प्लॉट उपलब्ध कराने का दावा करते हैं। साथ ही निवेश पर दोगुना रिटर्न की योजना भी संचालित करते है। मुलाकात के दौरान आरोपियों ने प्लॉट खरीदने को कहा। बाद में पांच साल के लिए रकम निवेश करने पर दोगुना रिटर्न का आश्वासन दिया। राम लखन ने बुआ के डेढ़ लाख और अपने एक लाख रुपये पांच साल के लिए निवेश कर दिए। अवधि पूरी होने पर मई 2026 में रकम वापस मांगी तो कोई जवाब नहीं मिला। पता चला कि आरोपी अपना कार्यालय और मकान बेचकर लापता हो गए। खोजबीन पर दो जून को शिव कुमार कुशवाहा, पूजा कुशवाहा, लाली कुशवाहा और शिवम कुशवाहा से मुलाकात हुई लेकिन आरोपियों ने रकम नहीं लौटाई। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

निवेश पर दोगुना रिटर्न का झांसा देकर ढाई लाख ठगे

कानपुर। कल्याणपुर के आर्यनगर भट्ठा निवासी राम लखन ने पुलिस को बताया कि कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाने वाले शिव कुमार, पूजा कुशवाहा, उनके रिश्तेदार सस्ते दाम पर प्लॉट उपलब्ध कराने का दावा करते हैं। साथ ही निवेश पर दोगुना रिटर्न की योजना भी संचालित करते है। मुलाकात के दौरान आरोपियों ने प्लॉट खरीदने को कहा। बाद में पांच साल के लिए रकम निवेश करने पर दोगुना रिटर्न का आश्वासन दिया। राम लखन ने बुआ के डेढ़ लाख और अपने एक लाख रुपये पांच साल के लिए निवेश कर दिए। अवधि पूरी होने पर मई 2026 में रकम वापस मांगी तो कोई जवाब नहीं मिला।

दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दबोचा, दो मोबाइल फोन किए बरामद

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 25 वर्षीय अमन कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर रूस में नौकरी दिलाने के बहाने भारतीय नागरिकों को कथित तौर पर ठगने का आरोप है। इस धोखाधड़ी में कथित रूप से फर्जी वेबसाइट द्वद्वड्डड्डह्यह्य4ह्लद्गह्यह्य.ष्शद्व का इस्तेमाल किया गया था। आरोपी 30 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें कथित तौर पर वेबसाइट, पेमेंट एप्लिकेशन, जीमेल अकाउंट, लिंकडिन पर हुई बातचीत और वेबसाइट डेवलपमेंट व भुगतान से संबंधित वाट्सएप चैट के सबूत मिले हैं। मामले की जांच जारी है। पुलिस करीब 50 लेनदेन के वित्तीय रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है और इस कथित धोखाधड़ी में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। दिल्ली पुलिस ने रूस में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित ठगी के मामले में 25 वर्षीय अमन कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस करीब 50 वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की पहचान में जुटी है।

मस्जिद की छत पर पहुंचे विदेशी पर्यटक, सुरक्षा एजेंसियों में मचा हड़कंप; जांच शुरू

आगरा। विश्व धरोहर ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। ताजमहल के प्रतिबंधित और संवेदनशील क्षेत्र (शाही मस्जिद की छत) तक विदेशी पर्यटक के पहुंच जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। सुरक्षा में हुई इस बड़ी चूक पर उर्स कमेटी के अध्यक्ष ताहिरउद्दीन ताहिर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया है कि कड़े पहरे और सुरक्षा घेरे वाले प्रतिबंधित क्षेत्र तक कोई पर्यटक आखिर कैसे और किस प्रकार पहुंच गया। इस घटना ने सीआईएसएफ और एएसआई की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है, जिससे दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा पर एक बार फिर बड़ा प्रश्नचिह्न लग गया है। अधिकारी इस मामले की जांच में जुट गए है। गांव के महिपाल के बेटे लोकेंद्र का विवाह तय हुआ था। इसी खुशी में तीनों युवक एक बोतल शराब लेकर आए थे। उन्होंने गांव के स्कूल में बैठकर शराब पी थी। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। शराब पीने के बाद तीनों युवक बाइक लेकर जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें चक्कर आने लगे और वे गिर गए।

बिजनौर में बाइक सवार परिवार पर तेंदुए ने किया हमला, पति-पत्नी और तीन बच्चे घायल; एक की हालत नाजुक

बिजनौर। नहटौर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर गुलदार (तेंदुए) ने चलती बाइक पर हमला कर दिया। बाइक सवार पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक बालिका की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के ग्राम मुकरपुर सत्ती निवासी सुशील कुमार पुत्र सोहन अपनी पत्नी ममता, पुत्रियों कनक और श्रुति तथा पुत्र विवांश के साथ भैया दूज मनाने ससुराल जा रहे थे। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी बाइक नहटौर थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ा के रास्ते से गुजरते हुए ग्राम महमूदपुर स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंची। तभी अचानक पास के खेत से निकलकर आए गुलदार ने चलती बाइक पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से पूरा परिवार बाइक समेत सड़क पर गिर गया। जमीन पर गिरते ही गुलदार ने दोबारा उन पर झपटने का प्रयास किया। परिवार की चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों के शोर मचाने और साहस दिखाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। हमले में सुशील कुमार, उनकी पत्नी ममता और तीनों बच्चे घायल हो गए। घायलों में एक बालिका की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उन्होंने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए तत्काल पिंजरा लगाने और जंगल के रास्तों पर नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है।

99 फीसदी एचआईवी संक्रमित महिलाओं की गोद में स्वस्थ नौनिहाल

शाहीपडौना। समय पर जांच और नियमित दवाओं से एचआईवी संक्रमित महिलाएं भी स्वस्थ बच्चों को जन्म दे रही हैं। पिछले दो वर्षों में कुल 83 एचआईवी पॉजिटिव महिलाएं मां बनीं। इनमें 82 बच्चों की रिपोर्ट एचआईवी निगेटिव आई है। कुशीनगर मेडिकल कॉलेज के इंटीग्रेटेड काउंसिलिंग एंड टेस्ट सेंटर (आईसीटीसी) के ये आंकड़े एचआईवी संक्रमित दंपतियों को जीवन की उम्मीद दे रहे हैं। चिकित्सक असुरक्षित संबंध के अलावा सुई, सिरिंज या इस्तेमाल किए जा चुके ब्लेड के दोबारा प्रयोग में भी एचआईवी संक्रमण का खतरा बताते हैं। गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान एचआईवी संक्रमित मां से बच्चे में भी संक्रमण का खतरा रहता है। आईसीटीसी के रिकॉर्ड के मुताबिक, अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक 43 एचआईवी संक्रमित महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। इनमें 24 महिलाएं पहले से संक्रमित थीं और नियमित दवाएं ले रही थीं। वहीं, 19 महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई। इसी तरह अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच 40 संक्रमित महिलाएं मां बनीं, जिनमें 27 पहले से संक्रमित थीं। वहीं, 13 में गर्भावस्था के दौरान संक्रमण की पुष्टि हुई। दो वर्षों में इन 83 महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। इनमें 82 बच्चों की रिपोर्ट एचआईवी निगेटिव आई है, सिर्फ एक बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव रही। वर्ष 2025-26 में अब तक 32 गर्भवती महिलाओं में एचआईवी संक्रमण की तस्दीक हो चुकी है जिन्हें निगरानी में रखा गया है। एचआईवी छुआछूत की बीमारी नहीं है। मेडिकल कॉलेज के एआरटी सेंटर में एचआईवी संक्रमण की जांच और नियमित दवाएं दी जा रही हैं। बिना संकोच जांच करानी चाहिए। एचआईवी संक्रमण का पता चलने पर उपचार से उसे उसी स्तर पर रोका जा सकेगा। नियमित जांच और उपचार से एचआईवी पॉजिटिव भी अपनी जिंदगी जी सकता है।-डॉ. केपी गोड़, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज, कुशीनगर एआरटी (एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी) सेंटर की मेडिकल अफसर ऋचा बर्नवाल कहती हैं कि एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिलाओं की लगातार निगरानी की जाती है। इसके लिए वायरल लोड की जांच कराई जाती है जिससे इससे खून में वायरस की मात्रा पता चलती है। जांच रिपोर्ट के आधार पर उपचार की प्रभावशीलता का आकलन किया जाता है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुविक्किला श्रीमती हमीदान पत्नी रहीसुदीन निवासी-1128, 11वां तल, ब्लाक-सी, पॉकेट-ए-14, कालकाजी एक्सटेंशन, गोविन्दपुरी, नई दिल्ली-110019 ने अपने पुत्र शमशाद अली एवं पुत्रवधू शहनाज को इनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा अपने तमाम रिश्ते-नाते विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरी मुवक्किला के पुत्र व पुत्रवधू से किसी प्रकार का कोई लेन देन या किसी प्रकार का कोई करार करता है तो उसके लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा और उसके लिए मेरी मुविक्कलों व उनके परिवार के किसी भी सदस्य की कोई भी जिम्मेदारी नही होगी।

मुकुल कुमार अधिवक्ता
Chamber No.371
Saket Courts, New Delhi-110017.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री पी.सी. जैन के पुत्र श्री एन. के. जैन, 1 बीघा जमीन (खसरा नंबर 99/1 (0-10) और 99/2 (0-10)) के मालिक हैं। यह अधिकार उन्हें श्रीमती संतोष जैन (पत्नी श्री एन. के. जैन) द्वारा 07.04.1997 को निष्पादित और पंजीकृत वसीयत (पंजीकरण संख्या 17947) से प्राप्त हुआ था। इसके बाद, 25.09.1997 को श्रीमती संतोष जैन का निधन हो गया। बाद में, श्री एन.के. जैन का भी निधन हो गया। चूंकि श्री एन. के. जैन का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी (SMC) उपलब्ध नहीं है, इसलिए आगे की प्रक्रिया इस प्रकार है: स्वर्गीय श्री एन. के. जैन के पुत्रों 1. श्री दीपक जैन और 2. श्री मोहित जैन ने श्री राम मेहर के पुत्र श्री नरोत्तम के पक्ष में 10.04.2024 को नोटरीकृत जीपीए (GPA), एटीएस (ATS) ओर वसीयत निष्पादित की। इसके बाद, श्री राग मेहर के पुत्र श्री नरोत्तम ने श्री संजय वर्मा के पुत्रों 1. श्री मनीष वर्मा और 2. श्री नीरज वर्मा के पक्ष में 10.05.2024 को नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत निष्पादित की। तत्पश्चात, श्री संजय वर्मा के पुत्रों 1. श्री मनीष वर्मा और 2. श्री नीरज वर्मा ने श्री प्रणब कुमार दत्ता के पुत्र श्री गौरव दत्ता के पक्ष में 10.09.2026 को नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत निष्पादित की। इस प्रकार, श्री गौरव दत्ता इस संपत्ति के मालिक बन गए, जिसमें दूसरी मंजिल के पीछे की तरफ स्थित 2 BHK फ्लैट (संपत्ति संख्या D-90/1, जो संपत्ति संख्या D-90 का हिस्सा है) शामिल है, जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है। नई दिल्ली-110074 के बदरपुर स्थित धर्मवीर मार्केट के पास, ताजपुर गाँव (बुध विहार, ताजपुर पहाड़ी के नाम से जानी जाने वाली आबादी) में खसरा नंबर 99/1 और 99/2 की संपत्ति, श्रीमती सीमा (पुत्री श्री विजय) को बेची जा रही है। इस संपत्ति के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) दिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि इस संपत्ति पर किसी का कोई दावा, अधिकार, हक या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT NO. 17, AREA MEASURING 100 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 31//19/4, SITUATED AT MAUJA DABUA (DABUA COLONY) TEHSIL & DISTT. FARIDABAD HARYANA ("SAID PROPERTY")" I.E. 1. CTC OF JAMABANDI/INTKAL/KHATONI ISSUED BY CONCERNED PATWARI IN FAVOUR OF MR. SUDESH KUMAR VIRMANI W/O MR. DEENANATH, 2. ORIGINAL SALE DEED DT. 19.05.1987 AS DOC. NO. 2171 EXECUTED BY MR. SUDESH KUMAR VIRMANI IN FAVOUR OF MR. SURESH KUMAR ALIAS SURESH ARORA AND MR. RAMESH CHAND, 3. ORIGINAL REGD. GPA, REGD. WILL & ATS DT. 11.05.2026 EXECUTED BY MR. DHARAMVIR SINGH S/O MR. TEJ SINGH IN FAVOUR OF MR. PANKAJ SHARMA S/O MR. BABU RAM & 4. CTC OF INTKAL ISSUED BY CONCERNED PATWARI IN FAVOUR OF MR. PANKAJ SHARMA S/O MR. BABU RAM HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. PANKAJ SHARMA WHO ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE REGD. GPA, REGD. WILL & ATS DT. 11.05.2026 EXECUTED BY MR. DHARAMVIR SINGH. NOW MR. GYAN PARKASH SINGH IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. PANKAJ SHARMA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

NAME CHANGE

I, Khushal Lodhi S/o Nakul Singh R/o House No- 320, Street No- 7, Block- C, Brijpuri, Delhi- , PO- Gokal Puri, Dist- Delhi- 110094, hereby undertake that I, Khushal Lodhi want to change my name to Kavya Lodhi and Gender as FEMALE.

NAME CHANGE

I, Bharti W/O Vikas Kumar Chaubey, A4/3 3RD FLOOR Green Wood Enclave Sector 5 Executive Floor Wave City NH 24 Iskon Temple Ghaziabad I.E Sahibabad Dist Ghaziabad Uttar Pradesh 201010 Have Changed My Name To Bharti Negi For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, No-9119698Y Rank-NK Name-RAJINDER SINGH SARMAL residing at VILL-OMARA, SUNDLA, UDHAMPUR, JAMMU & KASHMIR-184205, have changed my father's name from OM PRAKASH to OM PARKASH for all future purposes vide Affidavit dated 13/11/2026 before Executive Magistrate, Jammu and Kashmir.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PRADEEP KUMAR SINGH S/O RAM BABU SINGH R/O A-53, Dakshin Puri, Ambedakar Nagar, PO-Pushpa Bhawan, Dist-South Delhi, Delhi-110062 declare that name of my minor son has been wrongly written as PRANJ in my minor son PRANJ SINGH aged 12 years in his school records. The actual name of my minor son is PRANJ SINGH which may be amended accordingly.

NAME CORRECTION

I, Azeem Khan, father and natural guardian of my minor son, resident of House No. D-320, Para, Ambedkar Colony, Chhattarpur, New Delhi – 110074, do hereby solemnly declare that my son's name is recorded as Mohammad Ali Khan in the school records of Ryan International School, Vasant Kunj, New Delhi, whereas his correct name, as recorded in his Birth Certificate and Aadhaar Card, is Ali Khan. Accordingly, my son's name shall be read and recorded as Ali Khan instead of Mohammad Ali Khan in all school records. Henceforth, my son shall be known as Ali Khan for all purposes.

सार्वजनिक सूचनाा

आम जनता को सूचित किया जाता है कि OCS फ्रेंड्स को-ऑप

संक्षिप्त डायरी

खाताधारकों की समस्याएं 27 को सुलझेंगी

एजेंसी

नोएडा। निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम 27 नवंबर को होगा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के इस कार्यक्रम में पीएफ खाताधारकों की समस्याओं का निदान किया जाएगा। हर माह की 27 तारीख को इस कार्यक्रम का आयोजन होता है। यदि 27 तारीख को अवकाश होता है तो उससे अगले कार्यदिवस में इस आयोजन किया जाता है। ईपीएफओ के अनुसार कार्यक्रम के लिए जगह का चुनाव जल्द कर लिया जाएगा।

नई सीरीज यूपी16जीबी जारी

एजेंसी

नोएडा। निजी वाहनों की नई सीरीज यूपी16जीबी गुरुवार को जारी हो गई। सीरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार से परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण शुरू होंगे। वहीं, सीरीज के सामान्य पसंदीदा नंबर बुक करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें दोपहिया वाहन के सामान्य पसंदीदा नंबर पसंदीदा नंबर के लिए एक हजार रुपये और चार पहिया वाहन के नंबर के लिए पांच हजार रुपये शुल्क निर्धारित है।

भूजल दोहन की प्रशासन से शिकायत

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-151 एवं सेक्टर-153 में निजी बिल्डरों पर भूजल दोहन का आरोप लगाया है। करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने जिलाधिकारी को संबोधित पत्र एडीएम प्रियंका सिंह को सौंपा। चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि बिल्डर की परियोजनाओं में पिछले लगभग तीन वर्षों से लगातार भूजल निकाला जा रहा है। आरोप है कि बड़ी मात्रा में पीने योग्य भूजल को खुले नालों में बहाया जा रहा है। इसके कारण सेक्टर-151 एवं 153 के नालों और ग्रीन बेल्ट में पानी भरा हुआ है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भूजल के अनियंत्रित दोहन और जलभराव के कारण ग्रीन बेल्ट में लगाए गए हजारों पेड़ नष्ट हो गए हैं।

धोखाधड़ी मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

नोएडा। अदालत ने धोखाधड़ी और धमकी के मामले के आरोपी किरायेदार अमित जॉनी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। नोएडा के सेक्टर-24 थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। वादी अमित पाठक ने 16 सितंबर 2026 को मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित के मुताबिक सेक्टर-35 में उनकी एक संपत्ति है। वर्ष 2024 में उन्होंने यह संपत्ति पंजीकृत लीज एग्रीमेंट के जरिए अमित जॉनी को किराये पर दी थी। वादी ने 16 अगस्त 2026 को टर्मिनेशन नोटिस देकर 16 अक्तूबर तक संपत्ति खाली करने को कहा था। आरोपी ने सहमति नहीं दी, बल्कि एक अन्य व्यक्ति मनोज के साथ मिलकर संपत्ति की खरीद-फरोख्त के झूठे दस्तावेज तैयार किए। व्हाट्सऐप संदेश के जरिए झूठे दावे किए गए, उन्हें और उनके परिजनों को संपत्ति में घुसने से रोका गया और धमकी दी गई। लीज की शर्तों के उल्लंघन और संपत्ति के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग के आरोप भी लगाए गए। अदालत ने आरोपी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी।

विदेशी मूल की पुत्रवधू पर छवि धूमिल करने का आरोप, मुकदमा

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-78 निवासी बुजुर्ग महिला ने स्वर्गीय बेटे की उज्बेकिस्तान मूल की बहू पर छवि धूमिल करने, घर में जबरन घुसने का प्रयास और परेशान करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने उसके खिलाफ कोर्ट के आदेश पर सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। अंतरिक्ष गोल्फ व्यू सोसाइटी निवासी अर्चना टंडन न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया कि उनके पुत्र रिषभ टंडन ने एक जून 2023 को उज्बेकिस्तान मूल की रहने वाली उलेसिया नीडोबेगोवा से विवाह किया था। रिषभ पेशे से चार्टेड अकाउंटेंट था। वह मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रहता था। उनकी बहू खुद को उज्बेकिस्तान में राजनेता के रूप में प्रस्तुत करती है। रिषभ की 22 अक्तूबर 2025 को कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई थी। आरोप है कि पुत्र की मौत के बाद उनकी पुत्रवधू उलेसिया अब उन्हें परेशान कर रही है। उनकी फिशिंग मेल आईडी बनाकर झूठे ई-मेल कर रही है। सोशल मीडिया पर एआई से फोटो बनाकर बदनाम करने का प्रयास कर रही है। इसका विरोध करने पर धमकी दे रही है, जबकि उलेसिया का वीजा 10 दिसंबर 2025 तक समाप्त हो चुका है। आरोप है कि वह भारत में अवैध तरीके से रह रही है। उनके घर में उलेसिया जबरन घुसपैठ का प्रयास कर रही है। पीड़िता ने आरोपी से अपनी जान को खतरा होना बताया है। पीड़िता का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने पूर्व में पुलिस को शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके चलते उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा और ग्रेनो की हवा और दमघोंटू हुई

एजेंसी

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में गुरुवार को वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया। प्रदूषित कणों के कारण दिनभर स्मॉग बना रहा। शाम को हालत और भी बदतर हो गई। आसमान भी धुंधला दिखने लगा। लगातार वायु प्रदूषण से सांस रोगियों की संख्या में भी इजाफा हुआ। नोएडा का एक्यूआई गुरुवार को 311 दर्ज किया गया, जो बुधवार के मुकाबले 23 अंक अधिक रहा। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 291 तक पहुंच गया। एक दिन पहले यह 257 था। सुबह और शाम को अधिक वायु प्रदूषण रहा। प्रदूषित कणों के कारण दृश्यता कम होने के साथ ही आसमान भी धुंधला दिखने लगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का सबसे वायु प्रदूषित स्थान सेक्टर-62 रहा। यहां का एक्यूआई 418 दर्ज किया गया। यह नवंबर में सबसे प्रदूषित स्थान रहा है। यहां सात दिन एक्यूआई 400 के पार रहा है। पीएम 10 का अधिकतम स्तर 493 दर्ज किया गया। पीएम 2.5 भी 350 से अधिक रहा। आन वाले दिनों में इसी तरह की स्थिति रहने की आशंका है।

ग्रैप-3 के निदेर्शों और बिना प्रदूषण जांच ईंधन नहीं देने के लिए जागरुक किया

एजेंसी

नोएडा। जिले में बिना प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र पेट्रोल-डीजल नहीं देने और ग्रैप-3 के निदेर्शों के पालन को लेकर बुधवार एवं गुरुवार को परिवहन विभाग ने पेट्रोल पंपों पर जांच और जागरुकता अभियान चलाया। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ.उदित नारायण पांडे ने पेट्रोल पंप संचालकों और कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर उन्हें शासन की नो पीयूसी, नो फ्यूल नीति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंप संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी भी ऐसे वाहन को ईंधन उपलब्ध न कराएं, जिसके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र नहीं है। इसके अलावा ग्रैप-3 के अंतर्गत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की जांच कर उनके विरुद्ध चालान और जुमार्ने की कार्रवाई की गई। बिना ढके रेत, मिट्टी, ईंट या अन्य निर्माण सामग्री ले जाने वाले मालवाहक वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और नियम तोड़ने वालों को सीज-चालान किया गया। साथ ही निर्धारित क्षमता से अधिक सामान ढोने वाले व्यावसायिक वाहनों के चालान किए गए।

जिले के 249 पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाने की तैयारी शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पेट्रोल पंपों पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाने का काम जल्द शुरू होगा। परिवहन विभाग की ओर से गोदवरी एजेंसी को कैमरा लगाने का काम सौंपा गया है। गुरुग्राम के 249 पेट्रोल पंपों पर पहले चरण में कैमरे लगाए जाएंगे। पुराने वाहनों की पहचान और कार्रवाई एएनपीआर कैमरे से पंपों पर पुराने वाहनों की पहचान कर कार्रवाई होगी। गुरुग्राम जिले में 330 पेट्रोल पंप है। पंपों पर 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल से पुराने डीजल वाहनों (एंड-ऑफ-लाइफ व्हीकल) तथा बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी) वाले वाहनों की पहचान करना और उन्हें ईंधन देने पर रोक लगाना है। जिला परिवहन विभाग के



अनुसार पहले चरण में 249 पंपों पर नवंबर माह से कैमरे लगाने का काम एजेंसी शुरू करेगी। कंपनी ने मांगी पेट्रोल पंपों की सूचीः कैमरा लगाने वाली एजेंसी के अधिकारियों ने परिवहन विभाग से संपर्क किया है। विभाग से पहले चरण में किन पंपों पर कैमरे लगाए जाने है इसकी सूची मांगी है। जिससे पंपों पर कैमरे का लगाने का काम शुरू किया जा सके। विभाग की ओर से खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विभाग से सभी पंपों की सूची देने को कहा गया है। जिससे एजेंसी कैमरे लगाने का काम शुरू कर सके। कैमरे लगाने की प्रक्रिया और खर्च कैमरे लगाने के बाद पंपों पर जैसे ही कोई वाहन ईंधन भरवाने पहुंचेगा, कैमरा नंबर प्लेट स्कैन करेगा और वाहन के डेटाबेस से मिलान करके पंपकर्मी को सूचित करेगा कि वाहन तय सीमा पार कर चुका है या नहीं।

पहले चरण में गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और झज्जर में कुल 775 एएनपीआर कैमरे स्थापित किए जाएंगे, जिन पर लगभग 41 करोड़ 74 लाख रुपये खर्च होंगे। 30 सितंबर तक कैमरे लगाए जाने थे। टेंडर प्रक्रिया में देरी के कारण पंपों पर नहीं लग सके। गुरुग्राम में काम जल्द शुरू होगा गुरुग्राम में पहले चरण में 249 पंपों पर एएनपीआर कैमरे लगाने का काम इसी माह से शुरू हो जाएगा। एजेंसी ने पंपों की सूची मांगी है। खाद्य आपूर्ति विभाग को पंपों की सूची देने के निर्देश दिया है। सूची मिलने के बाद एजेंसी कैमरे लगाने का कार्य शुरू कर देगी।

कारोबारियों ने जीएसटी जमा करने में अपने ही रिकार्ड को तोड़ा

एजेंसी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर ने अक्तूबर में रिकार्ड 1432 करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी राजस्व जमा करके प्रदेश में एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया है। जिले के जीएसटी संग्रह में यह 43.15 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है जिसने इसे प्रदेश के सभी जोन में शीर्ष पर बनाए रखा है। 926.29 करोड़ रुपये राजस्व के साथ लखनऊ दूसरे नंबर पर है। राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के कारोबारियों ने अक्तूबर महीने में 1432.47 करोड़ रुपये जीएसटी राशि जमा की है। पिछले वर्ष इसी माह में 1000.71 करोड़ रुपये जीएसटी जमा हुआ था। उत्तर प्रदेश में अक्तूबर 2026 में 7670.34 करोड़ रुपये जीएसटी जमा हुआ है। वहीं, बीते साल इसी माह में 62.02.24 करोड़ रुपये जीएसटी कारोबारियों ने जमा किया था। ऐसे में प्रदेश में बीते साल अक्तूबर के मुकाबले इस वर्ष इस माह में 15.71 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के सभी जोन की तुलना में गौतमबुद्ध नगर जोन ने सबसे अधिक जीएसटी राजस्व जुटाकर पहला स्थान बरकरार रखा है। अक्तूबर से पहले सितंबर महीने में भी जिले का कर संग्रह प्रदर्शन काफी मजबूत रहा था। विभाग के अनुसार गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जहां नई कंपनियों के पंजीकरण और औद्योगिक गतिविधियों में लगातार इजाफा हो रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन कर प्रणाली और डाटा विश्लेषण की मदद से कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण लगा है, जिससे राजस्व संग्रह में तेजी आई है। अपर आयुक्त राज्यकर ग्रेड वन गौतमबुद्ध नगर जोन नोएडा परीक्षित खटाना ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर जीएसटी राजस्व में लगातार कीर्तिमान बना रहा है। कारोबारियों को विभाग की ओर से लगातार जीएसटी में पंजीकरण के फायदे और पारदर्शिता के साथ कारोबार करने के लिए जागरुक किया जा रहा है।

छठ पूजा पर घाटों और पूजा स्थलों पर तैनात रहेगी पुलिस

एजेंसी

नोएडा। छठ पूजा पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। पूजा स्थलों और घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था संभालने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की निगरानी रहेगी, ताकि पर्व के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो। समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर सेंट्रल नोएडा जोन के डीसीपी डॉ. प्रवीन रंजन सिंह और एडीसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने एसीपी और सभी थाना प्रभारियों के साथ गुरुवार को समीक्षा बैठक की। इसमें छठ पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, घाटों पर पुलिस प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात संचालन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सभी एसीपी और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र के छठ पूजा स्थलों और घाटों का दौरा करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि आयोजकों और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का पहले ही जायजा लें। जहां भी कमी मिले, उसे समय रहते दूर कराया जाए। पुलिस अधिकारियों को घाटों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यातायात को सुचारू रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा असामाजिक और शरारती तत्वों पर नजर रखी जाएगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, छठ पूजा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी थाना क्षेत्रों में आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी।

मिलेनियम सिटी में चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत

एजेंसी

नोएडा। मिलेनियम सिटी में लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई, पानी भरने और बाजारों में पूजन सामग्री की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं, कई बहुमंजिला सोसाइटियों के स्वीमिंग पूल में छठ पूजा की तैयारी की जा रही है। छठ घाटों पर व्यवस्थाओं की तैयारी



शहर में 22 प्रमुख छठ घाटों की साफ सफाई से लेकर पानी करने के लिए लेकर नगर निगम टीमों की सूची जारी की है। इसमें संयुक्त आयुक्त की निगरानी में कार्यकारी अभियंता छठ घाट पर व्यवस्था देखेंगे। इसमें निगम के छह संयुक्त आयुक्त, दो कार्यकारी अभियंता और छह सफाई निरीक्षक और सहायक सफाई निरीक्षक शामिल है। पुलिस आयुक्त को घाटों की सूची दी प्रवासी एकता मंच गुरुग्राम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने शहर के सभी प्रमुख घाटों पर पुलिस व्यवस्था और एमसीजी की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सूची सौंपी। उन्होंने गुरुग्राम के सभी प्रमुख छठ घाटों पर पुलिस तैनाती के संबंध में पुलिस आयुक्त सिबाश कविराज से मुलाकात की। उन्हें सभी प्रमुख घाटों की सूची सौंपी, जिसमें वहां जुटने वाली संभावित भीड़ का विवरण भी शामिल था। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी घाटों पर पुलिस की व्यवस्था रहेगी। घाट निरीक्षण और बाजारों में खरीदारी विधायक ने निमार्णाधीन छठ घाट का निरीक्षण कियाः शहर विधायक मुकेश शर्मा ने श्रीशीतला माता मंदिर पार्किंग परिसर में निमार्णाधीन छठ पूजा घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर आयोजक समिति के सदस्यों से चर्चा की और आश्वस्त किया कि छठ महापर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएंगी। शीतला माता भव्य छठ पूजा महोत्सव-2026 का आयोजन 15 और 16 नवंबर को पाटलिपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति द्वारा किया जा रहा है। इस महोत्सव में विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। खरीदारी को लेकर बाजारों में रौनकः शहर के बाजारों में छठ पूजा को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। विभिन्न बाजारों में खरीदारी के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है। पिछले साल से इस बार पूजा सामाग्री 20 प्रतिशत महंगा है। इसके बाद भी बाजार में सूखा नारियल, सूप, टोकरा समेत पूजा सामाग्री खरीद शुरू हो गई है। नए गुरुग्राम के बहुमंजिला सोसाइटियों में बने स्वीमिंग पूल में छठ पूजा की तैयारी शुरू हो गई है। इसमें सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप येलो सोसाइटी, सेक्टर-81 के विपुल, सन सिटी समेत अन्य सोसाइटी शामिल है। इसको लेकर सोसाइटी वासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। छठ महापर्व की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सभी कार्यकर्ता और निवासी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। ट्यूलिप येलो सोसाइटी में 450 परिवार यहां रह रहे हैं। ऐसे में पहली बार छठ पूजा का आयोजन होगा।

बिजली बकाया वसूली के लिए अभियान चलेगा

एजेंसी

नोएडा। जिले में बिजली बकाया वसूली के लिए बड़ा अभियान चलाया जाएगा। विद्युत निगम के एक लाख ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन पर दस हजार से अधिक का बिल बकाया है। ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत निगम ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इन उपभोक्ताओं को नोटिस भेजकर एक से दो सप्ताह में बिल जमा करने की हिदायत दी जा रही है। इसके बाद पुलिस के सहयोग से कनेक्शन काटने का अभियान चलाया जाएगा। इन एक लाख बकायेदारों में 10 हजार ऐसे उपभोक्ता भी हैं, जिन्होंने पिछले छह महीने में एक बार भी बिजली का बिल जमा नहीं किया है। विभाग की ओर से इन उपभोक्ताओं को एक हफ्ते में बिल जमा करने की हिदायत दी गई। तय समय में बिल जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार सबसे ज्यादा देहात क्षेत्र में बकायेदार हैं। इन उपभोक्ताओं पर पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। इनमें कुछ ऐसे उपभोक्ता शामिल है, जिन्होंने कनेक्शन



जारी होने के बाद से लेकर अभी तक एक बार भी बिल जमा नहीं किया है। इसमें एक वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के उपभोक्ता शामिल है। ऐसे कनेक्शनों को स्थायी रूप से बंद किया जाएगा। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार चार वर्ष पहले हर घर में रोशनी के तहत सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन दिए गए थे। योजना के तहत उपभोक्ताओं के मीटर लगाने के साथ ही केबल और एमसीबी भी लगाई गई। योजना के तहत 15 हजार से अधिक कनेक्शन दिए गए थे। इनमें हजारों उपभोक्ताओं ने एक बार भी बिल जमा नहीं किया है। इसके अलावा सामान्य प्रक्रिया के तहत जारी किए गए कनेक्शनों में तीन हजार उपभोक्ताओं ने भी अभी तक बिल जमा नहीं किया है। इन उपभोक्ताओं पर निगम का सौ करोड़ रुपये से अधिक का बिल बकाया है। कनेक्शन जारी होने के बाद से बिजली बिल जमा कराने के लिए स्थानीय स्तर पर वसूली के लिए विशेष प्रयास नहीं किए गए। बिल जमा कराने के लिए लगातार प्रयास जारी रहते तो उपभोक्ताओं की कम होती। बकायेदारों में ऐसे भी उपभोक्ता शामिल है, जिनका कनेक्शन करीब दस से 20 वर्ष पहले जारी किया गया था। परंतु अभी तक एक बार भी बिल जमा नहीं किया गया। इनका कनेक्शन नंबर विद्युत निगम के पोर्टल पर न दर्ज कराने से बिल तैयार नहीं हो सके।

नहाय-खाय के साथ शुरू होगा छठ महापर्व

एजेंसी

नोएडा। लोक आस्था और सूयोर्पासना का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। शहर के अलग-अलग सेक्टरों में बने छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई है। कहीं घाट सजाए जा रहे हैं तो कहीं महिला श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रमुख घाटों पर चेंजिंग रूम बनाए जा रहे हैं। महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। सेक्टर-62 रामलीला मैदान, सेक्टर-21 स्टेडियम, सेक्टर-75 सेंट्रल पार्क और सेक्टर-91 के पार्क समेत कई स्थानों पर श्रद्धालु छठ पूजा करेंगे। वहीं गुरुवार को बाजारों में भी पूजा सामग्री और फलों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही। प्रमुख घाटों पर विशेष व्यवस्था सेक्टर-21 स्थित नोएडा स्टेडियम के मैदान में प्रवासी महासंघ द्वारा छठ पर्व के लिए करीब 120 फीट लंबा और 60 फीट चौड़ा घाट बनाया जा रहा है। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश रॉय ने बताया कि महिला श्रद्धालुओं के लिए 10 से 12 चेंजिंग रूम बनाए जा रहे है। इसके अलावा सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षाकर्मी और पुरुष सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहेंगे। घाट के आसपास लगभग 20 कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के लिए अलग से कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है, जिससे पूरे आयोजन स्थल पर निगरानी रखी जा सकेगी। सेक्टर-62 रामलीला मैदान में आदर्श छठ पूजा समिति द्वारा करीब 200 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा घाट बनाया जा रहा है। महिलाओं के लिए चार चेंजिंग रूम तैयार किए जा रहे है। घाट पर महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मी की तैनाती रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए समिति द्वारा अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। सेक्टर-91 स्थित मेडिसिनल पार्क में भी छठ पूजा की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। छठ पूजा कल्चरल एक्सप्रेसवे समिति की सदस्य नम्रता नारायण ने बताया कि मैदान में करीब घाट पर आसपास के करीब 12 से 15 सोसाइटियों के लोग यहां पूजा करने आते हैं। जिनके लिए कई तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। वहीं, सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में श्री सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा करीब 60 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा घाट तैयार किया जा रहा है। यहां भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं हो रही हैं। इसके अलावा सेक्टर-71, सेक्टर-66 और अन्य स्थानों पर भी छठ पूजा के लिए घाट बनाए जा रहे हैं। पूजा की टोकरी का औसतन खर्च 400 से 500 रुपये छठ महापर्व को लेकर शहर के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। गुरुवार को लोगों ने सूप, दउरा, बांस की टोकरी, नारियल, फल-फूल, मिठाई और पूजा से जुड़ी अन्य सामग्री की खरीदारी की। बाजारों में गन्ने की मांग भी बढ़ गई है। सामान्य दिनों में 30 से 50 रुपये तक मिलने वाला गन्ना अब करीब 80 रुपये प्रति पीस बिक रहा है।

सड़कों की देखरेख निजी हाथों में सौंपने की तैयारी में नगर निगम

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की सड़कों के रखरखाव, साफ-सफाई और उनकी सूरत बदलने के लिए नगर निगम गुरुग्राम अहम बदलाव की तैयारी कर रहा है। निगम अब अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली शहर की आंतरिक सड़कों की देखरेख का जिम्मा निजी हाथों, यानी बिल्डरों, गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और अन्य सामाजिक संगठनों को सौंपने की योजना पर काम कर रहा है। इस पहल के तहत निगम संभावित स्टेकहोल्डर्स की एक व्यापक सूची तैयार कर रहा है, और शुरूआती चरण में लगभग 60 बड़े बिल्डरों व संगठनों से संपर्क किए जाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्ययोजना हरियाणा के



मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खल्लर के गुरुग्राम दौरे के दौरान दिए गए दिशा-निदेर्शों के बाद अमल में लाई जा रही है। अपने दौरे के दौरान उन्होंने नगर निगम अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की थी, जिसमें सड़क रखरखाव और साफ-सफाई में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और सामाजिक संगठनों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया था। इसी कड़ी में इस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए बुधवार को संभावित संगठनों और बिल्डरों की एक विशेष बैठक आयोजित की जानी थी, लेकिन निवर्तमान नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया के अचानक हुए तबादले के कारण इस बैठक को फिलहाल स्थगित करना पड़ा है। निगम धिकारियों का कहना है कि जल्द ही नई तारीख की घोषणा कर सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक की जाएगी। स्थानीय स्तर पर बेहतर रखरखाव का लक्ष्य नगर निगम अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य यह है कि इन चुनिंदा संगठनों और संस्थानों को उनके आसपास के क्षेत्रों की सड़कों की देखरेख और रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाए। प्रशासन का मानना है कि स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष भागीदारी होने से सड़कों पर कचरा जमा होने, टूट-फूट और धूल उड़ने जैसी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा, जिससे मिलेनियम सिटी की सड़कों की तस्वीर में सुधार आएगा। कार्य के दायरे पर स्थिति स्पष्ट होना बाकी हालांकि, इस महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को धरातल पर उतारने से पहले अभी कई बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट होनी बाकी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इन संगठनों को सड़कों की देखरेख का खर्च खुद उठाना होगा या निगम उन्हें इसके लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा, काम की पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक मजबूत निगरानी तंत्र तैयार करने पर भी मंथन चल रहा है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह अभी तय होना बाकी है कि निगम इसके रखरखाव के लिए इन्हें वित्तीय सहायता देगा या नहीं। यदि इन संगठनों को फंड देने का निर्णय लिया जाता है, तो इनकी भूमिका मुख्य रूप से निगरानी और सुपरविजन की होगी। अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि सड़कों की री-कार्पेटिंग (डामरीकरण और मुख्य निर्माण कार्य) का अधिकार और जिम्मेदारी अभी भी नगर निगम के पास ही रहेगी। सड़कों का रखरखाव निजी संस्था, स्कूल, बिल्डर आदि को सौंपने की योजना तैयार की जा रही है। इसके तहत संस्था, स्कूल और बिल्डरों की सूची तैयार की जा रही है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज़ेयादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2-30 बजे से सुबह 6-30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश तक क्रेस को सौंपी कमान

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है।

रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते

नई दिल्ली ।

दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा।

केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ- एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब- सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल ने डीए में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।

बच्चों की मुस्कान में भारत का भविष्य तलाशते थे चाचा नेहरू



योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं?

नेहरू के सपनों का भारत और आज का बचपन... किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सीमाओं, संसाधनों, सैन्य सामर्थ्य या आर्थिक संपन्नता से नहीं, उसकी नई पीढ़ी के सपनों, सामर्थ्य, संस्कारों और संभावनाओं से तय होती है। जिस देश के बच्चे शिक्षित, स्वस्थ, जिज्ञासु, संवेदनशील और आत्मविश्वासी होते हैं, उसका भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होता है। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस सत्य को गहराई से समझते थे। बच्चों के प्रति उनका स्नेह केवल भावनात्मक लगाव तक सीमित नहीं था बल्कि वे उन्हें स्वतंत्र भारत की नियति गढ़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति मानते थे। यही कारण है कि बच्चों के बीच वे प्रधानमंत्री से अधिक 'चाचा नेहरू' के रूप में लोकप्रिय हुए और उनका जन्मदिवस 14 नवम्बर देशभर में बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नेहरू का बच्चों से रिश्ता किसी औपचारिकता, राजनीतिक छवि या सार्वजनिक लोकप्रियता का हिस्सा नहीं था। बच्चों की निश्छल मुस्कान, उनकी जिज्ञासाएं, कल्पनाशीलता और बेबाक सवाल उन्हें सहज ही आकर्षित करते थे। वे बच्चों के बीच पहुंचकर अपना पद, प्रतिष्ठा और प्रोटोकॉल भूल जाते थे। उनके साथ हंसते, खेलते और बातचीत करते हुए वे स्वयं भी बच्चों की दुनिया का हिस्सा बन जाते थे। नेहरू का बाल प्रेम उनके विचारों और राष्ट्र निर्माण की अवधारणा में भी स्पष्ट दिखाई देता है। वे मानते थे कि किसी भी देश का भविष्य उसकी कक्षाओं, विद्यालयों और बच्चों के पालन-पोषण में आकार लेता है। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, जिन्हें जिस वातावरण, शिक्षा और संस्कारों में ढाला जाता है, उनका व्यक्तित्व उसी के अनुरूप विकसित होता है। इसलिए बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान देना पर्याप्त नहीं बल्कि उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वतंत्र चिंतन, मानवीय संवेदना, अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करना भी आवश्यक है। उनका विश्वास था कि बच्चों को भय, भेदभाव और संकीर्णता से मुक्त वातावरण मिले, जहां वे प्रश्न पूछ सकें, अपनी प्रतिभा पहचान सकें और अपनी कल्पनाओं को वास्तविकता में बदलने का साहस जुटा सकें।

बच्चों के प्रति नेहरू जी की संवेदनशीलता का एक प्रसंग अक्सर याद किया जाता है। कहा जाता है कि एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में टहलते हुए उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास उसकी मां दिखाई नहीं दी तो वे स्वयं बच्चे के पास पहुंचे और उसे गोद में उठा



लिया। प्रधानमंत्री की गोद में पहुंचते ही बच्चा शांत हो गया। कुछ देर बाद उसकी मां लौटी तो अपने बच्चे को देश के प्रधानमंत्री की गोद में खेलते देखकर अभिभूत रह गई। यह प्रसंग नेहरू के व्यक्तित्व के उस सहज पक्ष को सामने लाता है, जिसमें ऊंचे पद का अहंकार नहीं बल्कि एक बच्चे की तकलीफ के प्रति मानवीय संवेदना सर्वोपरि थी। नेहरू का मानना था कि शिक्षा किसी समाज के विकास का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने आधुनिक भारत की शैक्षिक और वैज्ञानिक नींव मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के विकास को उन्होंने राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) की स्थापना की दिशा में भी उनके शासनकाल में महत्वपूर्ण पहल हुई। उनका उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना नहीं बल्कि ऐसा शिक्षित और कुशल मानव संसाधन तैयार करना था, जो देश को विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सके। वे जानते थे कि ज्ञान और वैज्ञानिक चेतना के बिना आधुनिक राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है।

बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए भी नेहरू ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। वर्ष 1955 में चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी इंडिया की स्थापना इसी सोच का परिणाम थी। वे चाहते थे कि बच्चों को ऐसी फिल्में और साहित्य उपलब्ध हों, जो उनका मनोरंजन करने के साथ-साथ उनकी कल्पनाशक्ति, नैतिक चेतना और सृजनात्मकता को भी विकसित करें। उनकी दृष्टि में शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं था। खेल, कला, संगीत, साहित्य, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक गतिविधियां भी बच्चे के व्यक्तित्व को समृद्ध बनाने के अनिवार्य माध्यम थे। उनकी बाल-दृष्टि का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि वे बच्चों को राष्ट्र के भविष्य के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारी भी मानते थे। उनका विचार था कि यदि बच्चों को उचित पोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और आगे बढ़ने के समान अवसर नहीं मिलेंगे तो राष्ट्र की प्रगति का सपना अधूरा रह जाएगा। बच्चों के स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा और कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रोत्साहन देना इसी व्यापक सोच का हिस्सा था।

पंडित नेहरू समझते थे कि भूख, गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक असमानता किसी भी बच्चे की प्रतिभा को जन्म लेने से पहले ही कुचल सकती हैं। इसलिए बच्चों के विकास को परिवार की निजी जिम्मेदारी भर नहीं, सरकार और समाज का साझा दायित्व माना जाना चाहिए। आज जब हम बाल दिवस मनाते हैं तो नेहरू के विचारों की प्रासंगिकता और अधिक गहरी दिखाई देती है। एक ओर भारत अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है, वहीं दूसरी ओर लाखों बच्चे कुपोषण, अशिक्षा, बालश्रम, बाल विवाह, डिजिटल दुष्प्रभाव, हिंसा, भेदभाव और असुरक्षित बचपन जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा और अंकों की अंधी दौड़ ने बच्चों के स्वाभाविक बचपन, खेलकूद और रचनात्मकता को भी प्रभावित किया है। सोशल मीडिया और डिजिटल उपकरणों की बढ़ती निर्भरता के बीच बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे समय में नेहरू की यह सोच याद रखना जरूरी है कि बच्चों का विकास केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

बाल दिवस का वास्तविक अर्थ बच्चों को उपहार देना, समारोह आयोजित करना या उनके साथ तस्वीरें खिंचवाना भर नहीं है बल्कि इसका असली उद्देश्य यह आत्ममंथन करना है कि क्या हम प्रत्येक बच्चे को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और अपनी प्रतिभा विकसित करने का समान अवसर दे पा रहे हैं? क्या हमारा शिक्षा तंत्र बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने और नया सोचने की क्षमता विकसित कर रहा है? क्या हम उनकी भावनाओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं? इन सवालों के जवाब ही किसी समाज की बाल-हितैषी सोच और उसके भविष्य की वास्तविक दिशा तय करेंगे। पंडित नेहरू का मूल्यांकन इतिहास अनेक राजनीतिक, आर्थिक और वैचारिक कसौटियों पर करता रहेगा लेकिन बच्चों के प्रति उनका स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा एवं वैज्ञानिक चेतना पर दिया गया जोर उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके लिए बच्चे केवल आने वाले कल के नागरिक नहीं थे बल्कि नए भारत के निर्माण की सबसे बड़ी उम्मीद थे। उनके जन्मदिवस पर सबसे सार्थक श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर बच्चे को भयमुक्त बचपन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वस्थ वातावरण और सपने देखने के साथ उन्हें साकार करने का अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लें। क्योंकि किसी भी देश का भविष्य संसद के गलियारों या सत्ता के सिंहासनों में नहीं, उसके बच्चों की आंखों में पलते सपनों में लिखा जाता है। बच्चों की मुस्कान सुरक्षित होगी, तभी भारत की मुस्कान भी सुरक्षित और उज्ज्वल होगी।

संपादकीय

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह,यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डॉक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आतंकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्य को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

शेख हसीना को भारत में पनाह देने के सवाल पर बांग्लादेश की नाराजगी दोनों देशों के रिश्तों की बड़ी परीक्षा



कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों में एक बार फिर तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत में रह रहीं शेख हसीना की संभावित स्वदेश वापसी की चर्चाओं ने बांग्लादेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चाहती है कि भारत शेख हसीना को वापस सौंपे, जबकि भारत इस पूरे मामले को कानूनी और कूटनीतिक दृष्टि से देख रहा है। इस मुद्दे ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच विश्वास, संप्रभुता और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शेख हसीना लंबे समय तक बांग्लादेश की राजनीति का प्रमुख चेहरा रही हैं। उनके शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार, सुरक्षा, परिवहन और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी। दोनों देशों ने आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग बढ़ाया और सीमा प्रबंधन से लेकर संपर्क सुविधाओं तक कई महत्वपूर्ण समझौते किए। लेकिन 2024 में छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार का पतन हो गया और उन्हें देश छोड़ना पड़ा। इसके बाद से वह भारत में रह रही हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश की नई राजनीतिक परिस्थितियों ने भारत के सामने भी एक कठिन कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।

बांग्लादेश की वर्तमान सरकार शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को लेकर लगातार असंतोष व्यक्त कर रही है। उसका तर्क है कि जिस व्यक्ति पर देश में गंभीर आपराधिक आरोप हैं और जिसे अदालत से कठोर सजा सुनाई जा चुकी है, उसे वापस लाकर न्यायिक प्रक्रिया का सामना कराया जाना चाहिए। बांग्लादेश के अभियोजन पक्ष का कहना है कि 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में शेख हसीना की भूमिका की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसी मामले में नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड का फैसला सुनाया था। इसके अतिरिक्त उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े मुकदमे भी चल रहे हैं।

दूसरी ओर शेख हसीना इन आरोपों को राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित बताती रही हैं। उनका कहना है कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई निष्पक्ष न्याय की प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक विरोधियों की बदले की भावना का परिणाम है। उन्होंने अपने समर्थकों और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के बीच लौटने की इच्छा भी व्यक्त की है। दिसंबर में स्वदेश लौटने और अदालत में अपना पक्ष रखने की बात सामने आने के बाद बांग्लादेश की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। उनके वकीलों की ओर से भारत स्थित बांग्लादेश उच्चायोग को नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने के लिए पत्र भेजे जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और तेज कर दिया है।

शेख हसीना की वापसी का मुद्दा केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री के भविष्य तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीतिक स्थिरता और भारत के साथ उसके भविष्य के संबंध भी जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश में अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध और उसके समर्थकों में व्याप्त असंतोष के बीच शेख हसीना की वापसी से राजनीतिक टकराव बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हाल के दिनों में ढाका सहित कई क्षेत्रों में धमाकों और आगजनी की घटनाओं ने वहां की कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई है। हालांकि इन घटनाओं को सीधे शेख हसीना की वापसी की चर्चाओं से जोड़ने के लिए स्वतंत्र जांच और प्रमाण आवश्यक हैं।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने पड़ोसी देश के साथ संबंधों को भी संतुलित रखे और मानवीय तथा कानूनी पहलुओं की अनदेखी भी न करे। भारत की ओर से अब तक सार्वजनिक रूप से ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है कि शेख हसीना को जबरन बांग्लादेश भेजने का निर्णय लिया गया है। भारत ने उनके प्रत्यर्पण के सवाल पर कानूनी और द्विपक्षीय पहलुओं को महत्वपूर्ण माना है। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि मौजूद है, लेकिन किसी व्यक्ति को दूसरे देश को सौंपने की प्रक्रिया में संधि की शर्तों, उपलब्ध कानूनी आधार और संबंधित परिस्थितियों का परीक्षण आवश्यक होता है।

यह भी समझना होगा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय का अर्थ केवल सजा सुनाना नहीं, बल्कि निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी अधिकारों की रक्षा करना भी है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध गंभीर आरोप हैं तो उनका निर्णय पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए। विशेष रूप से मृत्युदंड जैसे गंभीर फैसले के मामले में न्यायिक निष्पक्षता और अपील के अधिकार का महत्व और बढ़ जाता है। भारत को भी किसी जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय सभी कानूनी पहलुओं पर विचार करना होगा।

बांग्लादेश को भी यह समझना चाहिए कि भारत के साथ संबंध केवल शेख हसीना के मुद्दे पर निर्भर नहीं हैं। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा, व्यापारिक साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, सुरक्षा और करोड़ों लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत और बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि दोनों एक-दूसरे की अनदेखी करके अपनी विकास यात्रा को आगे नहीं बढ़ा सकते। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग बनाए रखना दोनों के हित में है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शेख हसीना के मुद्दे को राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने के बजाय कानून, न्याय और कूटनीति के दायरे में सुलझाया जाए। बांग्लादेश को अपनी न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए और भारत को अपने निर्णय में राष्ट्रीय हित के साथ मानवीय तथा कानूनी सिद्धांतों का संतुलन बनाए रखना चाहिए। पड़ोसी देशों के रिश्ते भावनाओं और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और परिपक्व कूटनीति से मजबूत होते हैं। शेख हसीना का भविष्य चाहे जिस दिशा में जाए, भारत और बांग्लादेश के संबंधों में स्थायी तनाव पैदा होना दोनों देशों के लिए नुकसानदायक होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती



ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की?

संक्षिप्त समाचार

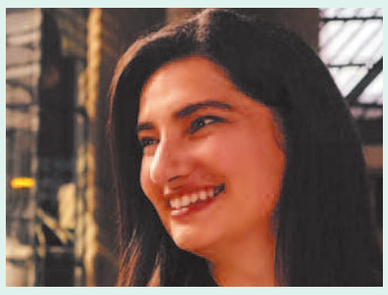
इंडोनेशिया में उपराष्ट्रपति जिब्रान ने दिया इस्तीफा, गहराया सियासी संकट

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो (जोकोवी) के 39 साल के बेटे जिब्रान के इस फैसले से राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और जोकोवी के बीच राजनीतिक गठबंधन पर संकट गहरा गया है। जिब्रान के सहयोगी बुडी एरी सेतियादी के मुताबिक, उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया है। जिब्रान की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बाद उनका राजनीतिक संकट बढ़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनका शैक्षणिक समकक्षता प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। वहीं, करीब 120 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। इस्तीफे के बाद संसद का उच्च सदन खाली पद की घोषणा कर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, प्राबोवो और जोकोवी का गठबंधन टूटने से सरकार की अस्थिरता बढ़ सकती है। जब पहले से ही सरकार आर्थिक नीतियों, निवेशकों के घटते भरोसे और मुफ्त स्कूली भोजन योजना से जुड़े विवादों का सामना कर रही है।

ट्रंप की जांच पर गार्सिया ने व्हाइट हाउस की चेतावनी ठुकराई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की ओवरसाइट समिति के आगामी अध्यक्ष रॉबर्ट गार्सिया ने बुधवार (स्थानीय समय) कहा है कि उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी नहीं मिली है। यह चेतावनी डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों पर संभावित कानूनी कार्रवाई और यूएस कांग्रेस की तरफ से की जाने वाली जांच से जुड़ी है। गार्सिया ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट ट्रंप प्रशासन की जांच से डरेंगे नहीं। उन्होंने जनवरी में समिति का नियंत्रण संभालने पर आक्रामक तरीके से निगरानी का संकल्प भी दोहराया। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने गार्सिया को पत्र भेजकर सांविधानिक सीमाओं से बाहर जांच न करने की चेतावनी दी है। हालांकि, एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि गार्सिया को वह पत्र नहीं मिला है। व्हाइट हाउस के वकील विल शार्फ ने पत्र में सांसदों से सांविधानिक सीमाओं के भीतर जांच करने की अपेक्षा की।

लॉस एंजिलिस सिटी अटॉर्नी चुनी गईं भारतीय मूल की मारिसा रॉय



वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की वकील मारिसा रॉय अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर की सिटी अटॉर्नी चुनी गई हैं। मेयर-इलेक्ट नित्या रमन के साथ ही भारत से जुड़ीं दो महिलाएं अब शहर के तीन प्रमुख निर्वाचित पदों में से दो पर काबिज होंगी। कैलिफोर्निया की डिप्टी अटॉर्नी जनरल रॉय ने पिछले सप्ताह हुए दूसरे चरण के चुनाव में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन मैककिनी को हराया। उनकी मां भारत से अमेरिका आकर बसी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान रॉय ने अपने परिवार के प्रवासी अनुभव को प्रमुखता से उठाया था। 'लॉस एंजिलिस टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रॉय की जीत और जून में दोबारा निर्वाचित हुए फिलिपिनो-अमेरिकी सिटी कंट्रोलर केनेथ मेजिया के साथ अब शहर के तीनों प्रमुख निर्वाचित पदों पर एशियाई-अमेरिकी प्रतिनिधित्व होगा। यह लॉस एंजिलिस के इतिहास में पहली बार है। रॉय ने अखबार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह केवल एशियाई-अमेरिकी समुदाय ही नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय के लिए भी एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। एक प्रवासी पृष्ठभूमि की मेयर और एक प्रवासी की बेटी का सिटी अटॉर्नी बनना लॉस एंजिलिस की ओर से यह संदेश है कि वह किस तरह का शहर है।' उन्होंने बताया कि भारत में रह रहे उनके रिश्तेदारों ने चुनाव पर करीबी नजर रखी थीं और जीत के बाद उन्हें व्हाट्सऐप पर बधाई संदेश भेजे। रॉय एशियन डेमोक्रेट्स ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी की संस्थापक बोर्ड सदस्य भी हैं। उनके चुनाव अभियान को कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा और सैन फ्रांसिस्को के सिटी अटॉर्नी डेविड चिउ का समर्थन मिला था।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में ढही 96 साल पुरानी तीन मंजिला रिहायशी इमारत

2 की मौत, 10 घायल, मलबे से गर्भवती महिला समेत दो को सुरक्षित बाहर निकाला



न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार शाम एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 2 की मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट और आपदा प्रबंधन दलों ने मलबे में दबे छह महीने की गर्भवती महिला समेत दो लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। फिलहाल मलबे के नीचे अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते युद्धस्तर पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। 1930 में बनी थी इमारत, चार परिवारों का था निवास हादसे का समयः न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब चार बजे के तुरंत बाद ब्रुकलिन स्थित इस इमारत के गिरने की सूचना प्राप्त हुई।

इमारत का इतिहासः वर्ष 1930 में निर्मित इस तीन मंजिला रिहायशी भवन में चार फ्लैट बने हुए थे। बगल में चल रहा था निर्माण कार्यः घटनास्थल की ड्रोन तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि ध्वस्त हुई इमारत का मलबा ठीक बगल में चल रहे एक निर्माण स्थल (कंस्ट्रक्शन साइट) के गहरे गड्ढे में जा गिरा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घायलों में बगल की साइट पर काम कर रहे निर्माण मजदूर भी शामिल हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशनः बाल्टियों से हटाया जा रहा मलबा, खोजी कुत्तों की मदद

गर्भवती महिला को सुरक्षित निकालाः हादसे के बाद मौके पर दर्जनों दमकलकर्मी, बचाव दल और खोजी श्वान (स्निफर डॉग्स) तैनात किए गए। इमारत का ढांचा अस्थिर होने के कारण बचावकर्मी बेहद सावधानी बरतते हुए हाथों और बाल्टियों के जरिए मलबा हटाते नजर आए। इस दौरान एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने स्थानीय चैनल से बातचीत में उम्मीद जताई कि बचाई गई महिला उनकी पत्नी हैं, जो छह महीने की गर्भवती हैं। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं।'

एक अन्य व्यक्ति का भी रेस्क्यूः महिला के बाद बचाव दल ने मलबे से एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। घायलों की स्थितिः फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों लोगों को निकालने से पहले तक कुल 10 घायलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था

स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने



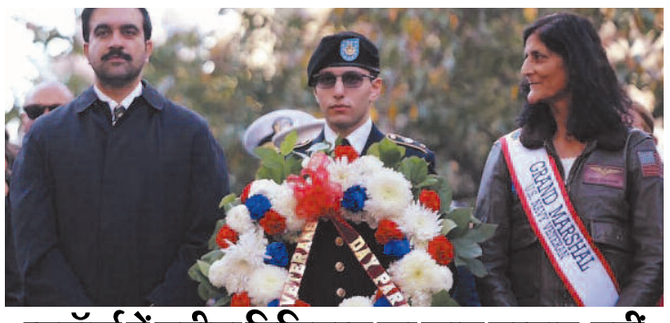
उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है।

खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से लोगों की तलाश जारी

हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।

हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू

हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।



न्यूयॉर्क में सुनीता विलियम्स का खास सम्मान, बनीं ग्रैंड मार्शल, 20 हजार लोगों की परेड का किया नेतृत्व

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड के दौरान 'ग्रैंड मार्शल' के रूप में सम्मानित किया गया। यह परेड पूर्व सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की जाती है। नौसेना की सेवानिवृत्त कैप्टन सुनीता विलियम्स ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू पर 20,000 लोगों की परेड का नेतृत्व किया। सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'ग्रैंड मार्शल' बनना उनके लिए 'एक बहुत बड़ा सम्मान' है। उन्होंने याद करते हुए कहा, नौसेना में बिताए समय ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं, और इसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं न्यूयॉर्क के लोगों और पूरे अमेरिका के नागरिकों के साथ मिलकर, हर पीढ़ी के पूर्व सैनिकों की सेवा, बलिदान और समर्पण का सम्मान कर रही हूं। नासा से जुड़ने से पहले, विलियम्स एक टेस्ट पायलट थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में तीन मिशनों के दौरान कुल 608 दिन बिताए और एक महिला के रूप में सबसे अधिक नौ बार स्पेस वॉक करने का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें उन्होंने कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में बिताए। यह 107वीं वार्षिक 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड थी। इसमें हजारों पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सशस्त्र बलों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक समूहों और स्कूलों के दलों ने हिस्सा लिया, और कई बैंड भी शामिल हुए। परेड में कई कंपनियों की झांकियां थीं, जिनमें उनके यहां काम करने वाले पूर्व सैन्य कर्मियों को दिखाया गया था। परेड से एक दिन पहले, विलियम्स ने 'यूएसएस सैन एंटोनियो' जहाज पर मरीन कॉर्प्स की स्थापना की 251वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया।

पाकिस्तान में पुलिस टीम पर हमला, 11 की मौत

अवैध सोने की खदान पर छापेमारी करने गए थे, हमलावरों ने पहाड़ियों से गोलियां बरसाईं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक डीएसपी और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और हमलावरों के बीच भारी गोलीबारी हुई।

पुलिस ने टीटीपी पर हमले का आरोप लगाया

हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा जवान भेजे गए। पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायलों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय टीचिंग अस्पताल में इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस ने हमले के पीछे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों का हाथ बताया है। टीटीपी को



पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। यह पाकिस्तान में सक्रिय एक आतंकी संगठन है, जो पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ लड़ता है। टीटीपी पाकिस्तान में इस्लामी कानून यानी शरिया लागू करना चाहता है।

खुदाई मशीनें खड़ी करने पर रोक लगी थी

कोहाट में अवैध तरीके से सोना निकालने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पहले से कार्रवाई कर रहा था। हमले से एक दिन पहले ही डिप्टी कमिश्नर ने खनन वाले इलाकों में 60 दिनों तक खुदाई की मशीनें खड़ी करने पर रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि कुछ लोगों ने खनन वाले इलाकों के पास अपने घरों में ये मशीनें खड़ी कर रखी थीं। इनका इस्तेमाल चोरी-छिपे सोना निकालने में किया जा सकता था। कई बार कार्रवाई के बाद भी लोग इन मशीनों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए कर रहे थे। इसके अलावा, प्रशासन ने खुले डिब्बों और बोतलों में पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन बेचने और खरीदने पर भी रोक लगा दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध तरीके से सोना निकालने के काम में इनका इस्तेमाल किया जा रहा था।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस पर बढ़े आतंकी हमले

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला जारी है। पिछले एक महीने में यहां कई बार पुलिस को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में कई पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि कई घायल हुए हैं।

3 नवंबरः मोहम्मद जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की। इसमें 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हुआ।

29 अक्टूबरः बाजौर जिले में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई।

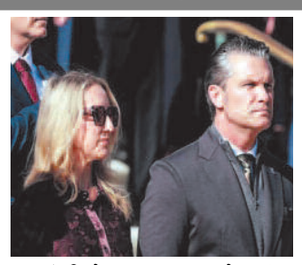
20 अक्टूबरः उत्तरी वजीरिस्तान में मीरानशाह बाईपास रोड के पास गोलीबारी में एक अतिरिक्त थाना प्रभारी की मौत हो गई।

7 अक्टूबरः कोहाट में आतंकियों ने पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

समाधि के पास ठहाके लगाना पड़ा भारी, अमेरिकी गार्ड ने रोका

रक्षा मंत्री हेगसेथ की टीम को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में वेटरंस डे समारोह के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चर्चा में ला दिया। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री अपनी पत्नी जेनिफर और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में अज्ञात सैनिक की समाधि के पास तस्वीरें खिंचवाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके समूह के कुछ सदस्य हंसते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहां तैनात अमेरिकी सेना के एक संतरी ने उन्हें तुरंत टोक दिया और स्मारक की गरिमा बनाए रखने की याद दिलाई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार हुई।



संतरी ने क्या कहकर रोका?: संतरी उस समय स्मारक की निगरानी कर रहा था। समूह के कुछ लोगों को हंसते और बातचीत करते देखकर उसने उन्हें नियमों की याद दिलाई। उसने साफ शब्दों में कहा, 'सभी आगंतुक हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखें।' यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में भी सामने आया है। इस समूह में हेगसेथ के अलावा उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार एवं डिप्टी असिस्टेंट टैमी राडाबॉ शामिल थे। घटना सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने संतरी की कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक ने स्मारक पर आने वाले लोगों को वहां की गरिमा बनाए रखने की उचित तरीके से याद दिलाई। पार्नेल के मुताबिक, रक्षा मंत्री और पूरा रक्षा विभाग अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का हमेशा सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस गंभीर दिन को याद करते हुए एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।'

अज्ञात सैनिक की समाधि इतनी खास क्यों है?: अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में स्थित अज्ञात सैनिक की समाधि अमेरिका के सबसे पवित्र सैन्य स्मारकों में गिनी जाती है। यहां प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए एक ऐसे अमेरिकी सैनिक को अंतिम विदाई दी गई थी, जिसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इस समाधि की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान संभालते हैं। इसे 'द ओल्ड गार्ड' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1948 से यहां लगातार संतरी तैनात हैं।



स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई। हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है। किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

ट्रंप-नेतन्याहू के बीच तीखी बहस का दावा,फोन पर बातचीत चिल्लाने तक पहुंची

ईरान पर कार्रवाई को लेकर उभरे मतभेद

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के खिलाफ युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें सामने आई हैं। इस्राइली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों के बीच ईरान को लेकर अमेरिकी और इस्राइली रणनीति पर मतभेद सामने आए। इस्राइल के समाचार संस्थानों येनेट और येदियोत अहरोनोत की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप पर ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने का दबाव बनाया। वहीं, ट्रंप ने तेहरान के साथ चल रही शांति वार्ता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं के बीच किस बात पर मतभेद? : रिपोर्टों के मुताबिक, नेतन्याहू लगातार अमेरिका से ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखकर कूटनीतिक बातचीत के जरिए रियायतें हासिल करना चाहते हैं। दोनों मीडिया संस्थानों ने सूत्रों के हवाले से बातचीत को बेहद तीखी बताते हुए इसे 'शाउटिंग मैच फ्रॉम हेल' यानी तीखी बहस कहा। हालांकि, इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच सप्ताहांत में बातचीत होने की पुष्टि की, लेकिन किसी टकराव से इनकार किया। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी बातचीत के दौरान झगड़े की खबरों को खारिज किया। कार्यालय ने इन रिपोर्टों को



'फेक न्यूज' बताया।

पहले भी फोन पर हुई थी तीखी बातचीत : ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर पहले भी फोन पर तीखी बातचीत हो चुकी है। जून में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर असहमति सामने आई थी। उस दौरान ट्रंप ने द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने नेतन्याहू को अपशब्द बोलते हुए पागल कहा था। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी कुछ दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि नेतन्याहू ट्रंप को रोजाना फोन कर ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्तूबर चुनाव के बाद नेतन्याहू की स्थिति पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव में सीटें गंवाने के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ दोबारा हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की मांग जारी रखी है। मंगलवार को 26वीं नेसेट विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व को बदलना ही उस खतरे को खत्म करने का एकमात्र रास्ता है, जिसे वह तेहरान का आतंक बताने वाली नीति और परमाणु कार्यक्रम से जोड़ते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान परमाणु खतरे को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। इस अस्तित्व के खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला शासन को हटाना है।'

ट्रंप ने फिर युद्ध शुरू करने से किया इनकार

नेतन्याहू की मांगों के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने के संकेत नहीं दिए हैं। वह आर्थिक दबाव अभियान जारी रखकर ईरान को बातचीत की मेज पर रियायतें देने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रविवार को '60 मिनट्स' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर शुरू करेंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हालिया बातचीत ने ईरान को लेकर उनकी अलग-अलग रणनीतियों को उजागर किया है। नेतन्याहू सैन्य कार्रवाई और सत्ता परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, जबकि ट्रंप कूटनीति और आर्थिक दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।



खांसी या पेटदर्द, ठंड में अमरूद खाने से मिलते हैं ये 15 फायदे

अमरूद में विटामिन सी और शर्करा काफी मात्रा में होती है। अमरूद में पेक्टिन की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। अमरूद को इसके बीजों के साथ खाना अत्यंत उपयोगी होता है, जिसके कारण पेट साफ रहता है। अमरूद का उपयोग चटनी, जेली, मुरब्बा और फल से पनीर बनाने में किया जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर ठंड में अमरूद खाने के क्या फायदे हो सकते हैं।

अमरूद के सेवन से दूर होती हैं ये बीमारियां...

पेटदर्द में आराम

अमरूद के पेड़ की पत्तियों को बारीक पीसकर काले नमक के साथ चाटने से लाभ होता है। अमरूद के फल की फुगनी (अमरूद के फल के नीचे वाले छोटे पत्ते) में थोड़ा-सी मात्रा में सेंधा नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ पीने से पेट दर्द समाप्त होता है। यदि पेट दर्द की शिकायत हो तो अमरूद की कोमल पत्तियों को पीसकर पानी में मिलाकर पीने से आराम होता है।

अपच में उत्तम औषधि

अपच, अग्निमान्द्य और अफारा के लिए अमरूद बहुत ही उत्तम औषधि है। इन रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को 250 ग्राम अमरूद भोजन करने के बाद खाना चाहिए। जिन लोगों को कब्ज न हो तो उन्हें खाना खाने से पहले खाना चाहिए।

बवासीर रोग करे दूर

सुबह खाली पेट 200-300 ग्राम अमरूद नियमित सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है। कुछ दिनों तक रोजाना सुबह खाली पेट 250 ग्राम अमरूद खाने से भी बवासीर ठीक हो जाती है। बवासीर को दूर करने के लिए सुबह खाली पेट अमरूद खाना उत्तम है। मल-त्याग करते समय बांयें पैर पर जोर देकर बैठें। इस प्रयोग से बवासीर नहीं होती है और मल साफ आता है। पके अमरुद खाने से पेट की कब्ज खत्म होती है, जिससे बवासीर रोग दूर हो जाता है।

कब्ज में फायदा

तरोताजा बड़े-बड़े अमरूद लेकर उसके छिलके निकालकर टुकड़े कर लें और पानी में उबालें। जब अमरूद आधे पककर नरम हो जाएं, तब नीचे उतारकर कपड़े में डालकर पानी निकाल लें। उसके बाद उससे 3 गुना शक्कर लेकर चासनी बनाएं और अमरूद के टुकड़े उसमें डाल दें। फिर उसमें इलायची दानों का चूर्ण और केसर डालकर मुरब्बा बनाएं। ठंडा होने पर मुरब्बे को चीनी-मिट्टी के बर्तन में भरकर, उसका मुंह बंद करके थोड़े दिन तक रख छोड़े। यह मुरब्बा 20-25 ग्राम की मात्रा में रोजाना खाने से कब्जियत दूर होती है।

खांसी में लाभ

एक कच्चे अमरूद को लेकर चाकू से उसका गूदा निकाल लेते हैं। फिर इस अमरूद में पिसी अजवायन तथा पिसा कालानमक 6-6 ग्राम भर देते हैं। इसके बाद अमरूद पर कपड़ा लपेटकर उसमें गीली मिट्टी का लेप लगाकर आग में भून लेते हैं पकने के बाद इसके ऊपर से मिट्टी और कपड़ा हटाकर अमरूद को पीस लेते हैं। इसे आधा-आधा ग्राम की मात्रा में शहद के साथ मिलाकर सुबह-शाम रोगी को चटाने से काली खांसी में लाभ होता है।

जल्द घाव भरना

अमरूद की कोमल पत्तियां उबालकर पीने से पुराने दस्त ठीक होते है। दस्तों में आंव आती रहे, आंतों में सूजन आ जाएं, घाव हो जाए तो 2-3 महीने 250 ग्राम अमरूद रोजाना खाने से दस्त में लाभ होता है। अमरूद में-टैनिक एसिड होता है, जिसका काम घाव भरना है। इससे आंतों के घाव भरकर आंते स्वस्थ हो जाती हैं।

अमरूद कब हो सकता है हानिकारक?



शीत प्रकृति वालों को और जिनका आमाशय कमजोर हो, उनके लिए अमरूद हानिकारक होता है। बारिश के सीजन में अमरूद के अंदर सूक्ष्म धागे जैसे सफेद कीड़े पैदा हो जाते हैं जिसे खाने वाले व्यक्ति को पेट दर्द, अफारा, हैजा जैसे विकार हो सकते हैं। हालांकि ठंड में ताजे अमरूद खाना फायदेमंद होता है, लेकिन यदि कुछ दिन तक पुराने हो जाए तो नहीं खाना चाहिए। इसके बीज सख्म होने से आसानी से नहीं पचते और यदि ये एपेन्डिक्स में चले जाए, तो रोग पैदा कर सकते हैं। अत: इनके बीजों के सेवन से बचना चाहिए।

15 फायदे

- अमरूद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। ये तत्व हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी होते हैं।
- अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन बी-9 शरीर की कोशिकाओं और डीएनए को सुधारने का काम करता है।
- अमरूद में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को दुरुस्त रखकर उन्हें कई प्रकार की बीमारियों से बचाता है।
- अगर आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना चाहते हैं तो अमरूद का सेवन करना बहुत फायदेमंद होगा।
- अमरूद के नियमित सेवन से सर्दी जुकाम जैसी समस्याओं के होने का खतरा भी कम हो जाता है।
- अमरूद में पाया जाने वाला विटामिन ए और ई आंखों, बालों और त्वचा को पोषण देता है।
- अमरूद में मौजूद लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स शरीर को कैंसर और ट्यूमर के खतरे से बचाने में सहायक होते हैं।
- अमरूद में बीटा कैरोटीन होता है, जो शरीर को त्वचा संबंधी बीमारियों से बचाता है।
- अमरूद का नियमित सेवन करने से कब्ज की समस्या में राहत मिलती है।
- फल के साथ ही अमरूद की पत्तियों का सेवन मुंह के छालों को दूर करने में कारगर होता है।
- अमरूद का रायता, चटनी, अचार और शेक खाने का स्वाद बढ़ा देते हैं।
- अमरूद मेटाबॉलिज्म को सही रखता है, जिससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है।
- कच्चे अमरूद में पके अमरूद की अपेक्षा विटामिन सी अधिक पाया जाता है। इसलिए कच्चा अमरूद खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
- अमरूद में फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है, इसलिए यह डायबिटिज के मरीजों के लिए बहुत अच्छा होता है।
- थायरॉइडनॉर्मल थायरॉइड में भी डॉक्टर अमरूद खाने की सलाह देते हैं।

रेसिपी



मशरूम करी

सामग्री

- **मशरूम:** 200 ग्राम
- **प्याज**
- **टमाटर:** 2 बारीक कटा
- **लहसुन:** 2
- **अदरक :** 1/2 इंच कद्दूकस किया हुआ
- **लाल मिर्च पाउडर:** 1/2 छोटा टी स्पून
- **तेल:** 1 बड़ा टीस्पून
- **काजू:** 15
- **हरा धनिया :** 1 बड़ा टीस्पून
- **नमक:** स्वाद के अनुसार

विधि

काजू को गरम पानी में 10 मिनट भिगोकर पेस्ट बना लें। मशरूम को धोकर उसका डंठल काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और मशरूम डालकर 3 मिनट पकाएं। इन्हें अलग रख दें। कढ़ाई में थोड़ा और तेल डालें और फिर प्याज डालकर गोल्डन होने तक भून लें। फिर अदरक, लहसुन डालकर भून लें। अब टमाटर, लाल मिर्च और नमक डालें। टमाटर नरम होने तक पका लें। फिर काजू पेस्ट डाल कर 3 मिनट तक पका लें। इसमें मशरूम और गर्म मसाला डालकर 2 मिनट पका लें। अब हरा धनिया डालकर गॉर्निश करें और सर्व करें।



लहसुन मशरूम सूप

सामग्री

- **बटन मशरूम:** 200 ग्राम
- **बारीक कटा लहसुन:** 8 कलियां
- **अजवाइन:** 1/2 चम्मच
- **बारीक कटा हरा प्याज:** 1/2 कप
- **वेजिटेबल स्टॉक:** 1 लीटर
- **ऑलिव ऑयल:** 2 चम्मच
- **धनिया पत्ती:** 4 चम्मच
- **नीबू के टुकड़े:** 2
- **नमक:** स्वादानुसार
- **काली मिर्च पाउडर:** स्वादानुसार

विधि

मशरूम को अच्छे से साफ करके धो लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। लहसुन को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। पैन में दो चम्मच तेल गर्म करें और उसमें लहसुन और अजवाइन डालें। एक मिनट बाद पैन में कटा हुआ हरा प्याज डालें। दो-तीन मिनट तक पकाएं। मशरूम को पैन में डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। पांच से दस मिनट तक पकाएं। नमक, काली मिर्च और उबली सब्जियों का पानी मिलाकर एक उबाल आने दें और उसके बाद मध्यम आंच पर पकाएं। गैस ऑफ करें और मिश्रण को हल्का ठंडा होने दें। हैंड ब्लेंडर की मदद से अच्छी तरह से मिलाएं। सर्व करने से पहले एक बार सूप को गर्म करें। धनिया पत्ती और नीबू के टुकड़े से सजाकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

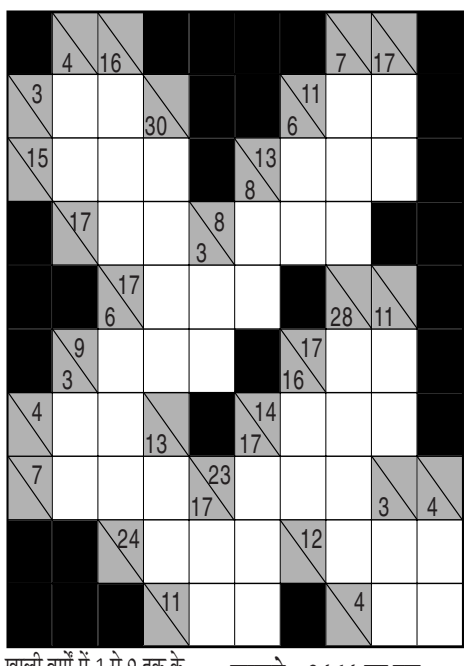
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

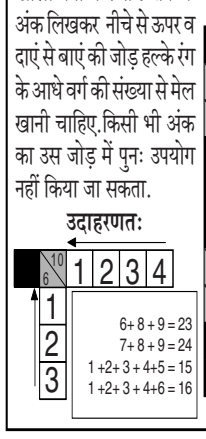
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2647



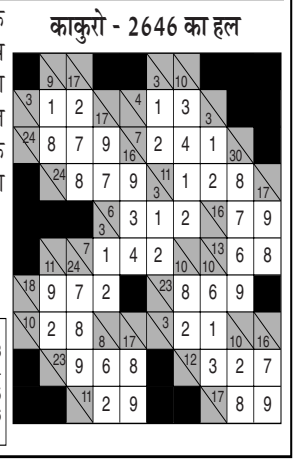
खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 2646 का हल



हंसी के फव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन..... .एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा.उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है,मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

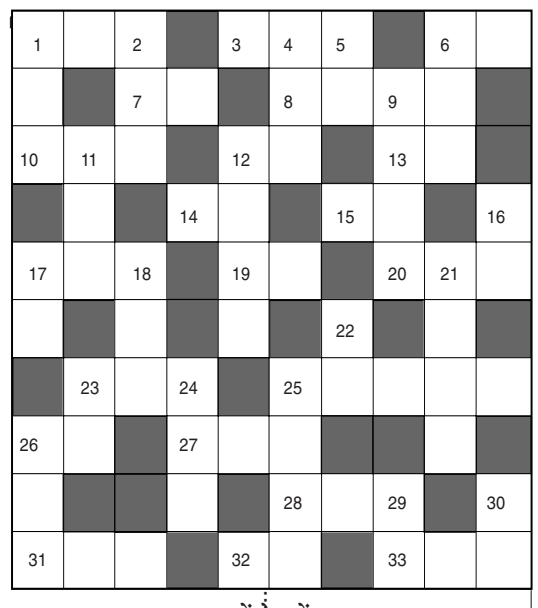
□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2647



बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2646

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
रा		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रो	जा		धू	म

सूडोकु -2647

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2646 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2647



बाएँ से दाएँ

1. ईष्ट कृपा,वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा,बैर-3
11. जंगल,वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा,लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे

2. वलय,घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी,मदमस्त-4
7. यज्ञ,होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2646 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

मणिपुर में बड़ा हमला : दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी, दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित न्यू हेवन इलाके में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भी मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी की घटना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेन्गाजांग के बीच सुबह करीब 11 बजे दो संदिग्ध विद्रोही गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान खेत में काम कर रही 43 वर्षीय कुकी महिला चोंगलोई की गोली लगने से मौत हो गई थी। उनका शव खेत से बरामद किया गया था। घटना में दो अन्य पुरुष एस. डेविड चोंगलोई (34) और लमखोचोन चोंगलोई (46) भी घायल हुए थे। दोनों को कांगपोकपी जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार दो दिनों में हुई गोलीबारी की इन घटनाओं से मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छठ पर्व : देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून, एजेंसी। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब 2:15 बजे जैसे ही दून से गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, राप्ती गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब 3:15 बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : मोहन भागवत



नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि सेवा कोई पेशा या आजीविका कमाने का माध्यम मात्र नहीं है, बल्कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। करुणा, संवेदनशीलता और मानवता ही एक स्वस्थ समाज की वास्तविक बुनियाद हैं। लोगों को बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत संबंध हो या न हो, यदि वह किसी परेशानी या दुख में है, तब उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि हम कोई असाधारण काम कर रहे हैं। दूसरों के दुख को समझना और उस दुख को दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि समाज केवल आर्थिक समृद्धि से मजबूत नहीं बनता, बल्कि उसके अस्तित्व का आधार आपसी संवेदनशीलता और करुणा है। जब तक लोगों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना बनी रहेगी, तब तक समाज मजबूत बना रहेगा। संवेदनशीलता समाप्त होने का अर्थ मानवता का कमजोर होना है। पुरस्कारों के महत्व पर उन्होंने कहा कि समाजसेवा करने वाले लोग सम्मान या पुरस्कार पाने की इच्छा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके योगदान को सम्मानित करने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं। ऐसे सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने धर्म की अवधारणा को मानवता और भाईचारे से जोड़ते हुए कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम इसके मूल गुण हैं। मानवता और आपसी सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। इस दौरान भागवत ने गुरु और शिष्य का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने को कहा, जहां शिख्य को कोई देख न सके। शिष्य बिना फल खाए लौट आया, क्योंकि उसके अनुसार ऐसी कोई जगह नहीं थी, जहां ईश्वर मौजूद न हों। भागवत ने कहा कि जब व्यक्ति दूसरों में भी ईश्वर का स्वरूप देखता है, तब उसके भीतर स्वाभाविक रूप से प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित होती है।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राघिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कूकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला, वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

● संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के कावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

छठ पूजा और भोजपुरी गानों पर सियासी घमासान, राज ठाकरे ने बीजेपी को दी खुली चुनौती

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र में छठ पूजा और भोजपुरी गानों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेकर लगातार तीन पोस्ट किए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी आगामी चुनावों को देखकर महाराष्ट्र में सामाजिक तनाव और मराठी-अमराठी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने मराठी समाज से बीजेपी की कथित रणनीति में नहीं फंसने की अपील की।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े सोशल मीडिया समूह छठ पूजा को सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रील्स और वीडियो के जरिए लोगों के बीच तनाव फैलाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने का जिक्र कर दावा किया कि मनसे ने इन गानों को बंद करवाया था।

मनसे प्रमुख ने पूरे घटनाक्रम को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी विकास के मुद्दों पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं होती तो समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच विवाद खड़ा करती है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदू-मुस्लिम और विधानसभा चुनावों के समय जातिगत मुद्दों को हवा देने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के विवाद का उल्लेख कर कहा कि इसके जरिए गुजराती और मराठी समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बीजेपी पर महाराष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगाया। मराठी समाज से अपील कर राज ठाकरे ने कहा कि लोग दूसरों के तय किए राजनीतिक मैदान में उतरकर आपस में न लड़ें। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति का जिक्र कर कहा कि



जवाब कब और कैसे देना है, इसका फैसला महाराष्ट्र के लोग खुद करने वाले है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए मराठी लोगों के खिलाफ खड़े नहीं होने की अपील की।

राहुल गांधी के दावों पर अखिलेश को याद आए अमर सिंह... उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही



लखनऊ ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के दावे पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि आज के दौर में कुछ भी संभव है। तकनीक इतनी आसान हो गई है कि किसी का भी फोन टैप हो सकता है। उन्होंने पूर्व सपा नेता अमर सिंह का जिक्र कर कहा कि उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही थी, जो सच साबित हुई थी। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री योगी को कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कट गए हैं? चुनाव आयोग ने उन्हें यह जानकारी किस आधार पर दी? अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदाता सूची में हेराफेरी करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वोट बचाने में कामयाब रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटने की बात कही, ताकि समाज में डर का माहौल बन सके। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा कैसे उपलब्ध कराया।

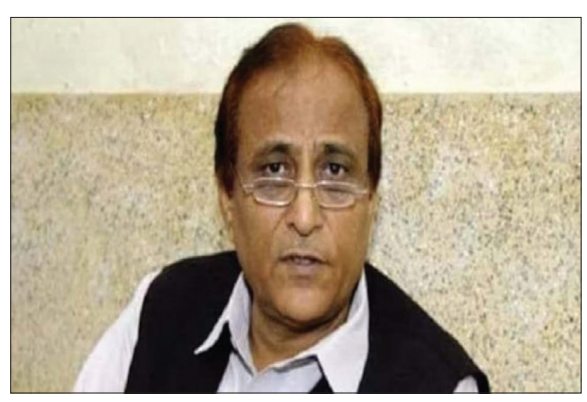
वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर बिना नाम लिए पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि जब बीजेपी को कुछ नहीं सूझता, तब लोगों को भैंस चराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से भेदभाव बढ़ा है और उत्तराखंड में भी लोगों को संविधान के तहत उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

ईडी हिरासत में आजम खान का छल्का दर्द... शिक्षा का मंदिर बनाना ही मेरी गलती

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार दिन की हिरासत में ले लिया है। गाजियाबाद स्थित विशेष न्यायाधीश ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें डासना जेल से पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस दौरान, आजम खान ने कहा, बच्चों को पढ़ाने का गुनाह किया है। यूनिवर्सिटी बनाई, स्कूल बनाए, शिक्षा का मंदिर एक मुसलमान ने बना दिया, यही एक गुनाह हो गया। ईडी की यह हिरासत 12 की शाम 4:30 बजे से 16 नवंबर की शाम 4:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अदालत ने रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि धन के व्यापक लेनदेन का पता लगाने के लिए आजम से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसके पहले, ईडी ने 30 अक्तूबर को आजम को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था। यह मामला जौहर विश्वविद्यालय के लिए 27 किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने के आरोपों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। आलियागंज के किसानों द्वारा जमीन हड़पने के आरोपों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई, जो एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है, ईडी की हिरासत के चलते टल गई। इन मामलों की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने डासना जेल में आजम से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवपाल ने कहा कि उन्हें अब केवल न्यायालय से ही उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन तथा प्रशासन आजम का उत्पीड़न कर रहा है और उन पर लगाए गए सभी मुकदमों को झूठा बताया। शिवपाल यादव के अनुसार, आजम का एकमात्र दोष गरीब बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाना था।



छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियों पर सियासत तेज, भाजपा और आप आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में छठ पूजा से पहले यमुना नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सोनिया विहार के पास नदी में मरी मछलियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस घटना ने यमुना के प्रदूषण और जल की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यमुना की सफाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नदी को साफ करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि मछलियों की मौत प्रदूषण के कारण हुई या पानी में किसी हानिकारक रसायन के मिलने से। उन्होंने सरकार से इसकी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आप नेता भारद्वाज ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि मरी हुई मछलियां जानबूझकर नदी में डाली गई हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को अपने आरोपों के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि हजारों मरी हुई मछलियों को इकट्ठा करके नदी में डालने का आरोप निराधार है और दिल्ली सरकार को वास्तविक कारणों का पता लगाना चाहिए।



वहीं, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल यमुना में मरी हुई मछलियां डालकर दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस हरकत को छठ पूजा जैसे धार्मिक मौके से पहले बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और बड़ा पाप बताया। मंत्री सिरसा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यमुना के 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी में क्रूज सेवा शुरू होने और सफाई के प्रयासों से परेशान होकर आप इस तरह की गतिविधियां कर रही है।

इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने मामले में दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब एसीपी सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार अहम और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है।

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यदि



इस तरह का कोई सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है, तब विपक्ष को इसकी जानकारी होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा से संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा करने की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बारे में विपक्ष के किसी भी सदस्य को सूचना नहीं दी है। इसलिए उन्हें फिलहाल ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है।

प्रियंका गांधी वाड्रा अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। जो लोग अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें बोलने से रोका जाता है। पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना विपक्ष की प्राथमिकता है।

'यह पूरी तरह से बकवास है', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर खुलकर बोले पैट कमिंस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 'सैंडपेपर विवाद' को लेकर किए गए उस्मान ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलत और बकवास बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में हुई बॉल-टैम्परिंग की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा की बुक में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने सिडनी के 'क्रिकेट सेंट्रल' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने 68 मिनट तक चली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ख्वाजा के दावों का कड़ा खंडन किया कि पूरी टीम को पता था कि गेंद के साथ छेड़छाड़ करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिंस ने कहा, 'जब वह कहते हैं कि हम सब जानते थे और अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि मैदान पर सैंडपेपर ले जाया जा रहा है, तो वह 100



प्रतिशत गलत हैं। मैंने पिछले 8 वर्षों से लगातार यही कहा है कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मगर मुझे लगता है कि उस्मान ने जो बातें कही हैं, वे उससे कहीं ज्यादा गंभीर हैं। '

कमिंस ने आगे कहा, 'उनका कहना है कि मैं और बाकी लोग सैंडपेपर से बॉल-टैम्परिंग करने की साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। यह पूरी तरह से बकवास है। मुझे इस हफ्ते तब बहुत बड़ा झटका लगा, जब पता चला कि उस्मान ने खुद माना है कि उन्होंने बैनक्राफ्ट से कहा था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिनके बारे में मैं सोचता हूं, या जो उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले 8 वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को फिर से बनाने में मदद की है। उस्मान मेरे दोस्त हैं, लेकिन दोस्त एक-दूसरे की जिंदगी और साख के साथ इतनी लापरवाही नहीं बरतते। '

'सैंडपेपर विवाद' पर कमिंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लैंगर ने किया समर्थन, बोले- फिर से संकट में है ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट



पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हेड कोच जस्टिन लैंगर ने 'सैंडपेपर-गेट' मामले पर मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने के पैट कमिंस के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था, खासकर ऐसे समय में जब 2018 के इस स्कैंडल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से तूफान खड़ा कर दिया है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' के आने के बाद केप टाउन बॉल-टैम्परिंग मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से बकवास करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में पूरे ऑस्ट्रेलियाई खेमे को पता था।

लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। 'सेन रेडियो' पर लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था।

कोहली-रोहित जीरो पर आउट

कप्तान अय्यर का भी नहीं खुला खाता, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टीम के तीन बल्लेबाज पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैट हेनरी ने भारतीय पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को जीरो पर आउट किया। हेनरी की गेंद को रोहित फिन एलन के हाथों में मार बैठे, तो विराट कोहली क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, ओवर की



आखिरी गेंद पर कीवी तेज गेंदबाज ने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने अपने पहले तीन विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना कोई रन लगाए गंवाए। भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए ही अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। इसके साथ ही वनडे क्रिकेट में यह महज पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने अपने तीन विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाए हैं। साल 2010 के बाद यह पहला मौका है, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ वनडे क्रिकेट में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कोहली-रोहित एक ही मैच में जीरो पर आउट हुए थे। ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। वनडे क्रिकेट में यह महज दूसरा मौका है, जब भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट 10 रनों के भीतर गंवाए हैं। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर गंवाए थे।

7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत



दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए। न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले।

न्यूजीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

हेनरी के सामने टेके घुटने

पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।



विल यंग की शतकीय पारी

माउंट माउंगानुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निक केली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 4 रन बनाकर आउट हुए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

किदांबी श्रीकांत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, लक्ष्य सेन ने भी दर्ज की एकतरफा जीत

कुमामोटो । पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में चल रहे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट, 'जापान मास्टर्स' के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एक रोमांचक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 8 और स्थानीय खिलाड़ी कोडाई नारोका को हराया। श्रीकांत के साथ-साथ हाल ही में 'हाइलो ओपन' जीतने वाले लक्ष्य सेन भी अंतिम आठ खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक आसान जीत दर्ज की। नारोका के खिलाफ 0-4 के खराब हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के बावजूद, श्रीकांत ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। इस गेम में वह 12-14 से पीछे चल रहे थे, लेकिन लगातार सात अंक जीतकर वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक खींच लिया और आखिरी गेम में शुरुआत में बढ़त भी बना ली। हालांकि, श्रीकांत ने अपना धैर्य नहीं खोया, स्कोर 7-7 से बराबर किया और फिर मैच पर नियंत्रण बनाते हुए 60 मिनट में 21-18 से जीत हासिल की।

इस सीजन में श्रीकांत की यह कोई पहली बड़ी जीत नहीं है। जून में यूएस ओपन के दौरान उन्होंने पेरिस 2024 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, मलेशिया के ली जी जिया को हराया था और टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे। इसके अलावा, सितंबर में उन्होंने कनाडा के तत्कालीन वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को हराकर 'चाइना मास्टर्स सुपर 750' के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।



क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना एक और जापानी खिलाड़ी और विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से होगा। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन के डोंग तियान याओ को 35 मिनट में 21-8, 21-14 से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा।

अंडर-19 एशिया कप: नौवें खिताब के करीब टीम इंडिया; लक्ष्य की कप्तानी पारी

फाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

अल अमेरात । भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। भारत का 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में सामना गत चैंपियन पाकिस्तान से होगा।



अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 227 रन बनाए।

जवाब में भारत ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान ने एक अन्य सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराया।

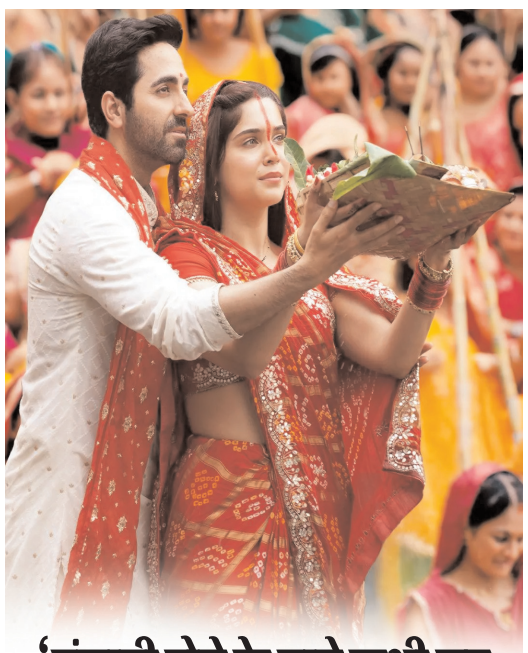
भारत ने जीते हैं सर्वाधिक खिताब

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा है। भारत ने अंडर-19 एशिया कप रिकॉर्ड आठ बार जीता है, जिसमें एक संयुक्त खिताब भी शामिल है। भारतीय टीम ने 1989, 2003, 2012, 2013-14, 2016, 2018, 2019 और 2021 में खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा टीम दो बार 2024 और 2025 में उपविजेता रही है। भारत को पिछली बार फाइनल में पाकिस्तान से ही हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम इंडिया के पास पिछली हार का बदला चुकता करने का मौका होगा।



पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली । आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। वहीं, नीदरलैंड्स ने थाईलैंड के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान के करवां क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। टीम की ओर से निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि शोर्ना अख्तर 20 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं।



'पंजाबी होने के नाते कभी छठ नहीं मनाया', पहली बार त्योहार का हिस्सा बनने पर आयुष्मान खुराना ने बताए अनुभव

अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए इस बार छठ पूजा का अनुभव बेहद खास रहा। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले आयुष्मान ने इससे पहले कभी छठ का त्योहार नहीं मनाया था। लेकिन सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के खास गाने 'बुलाए छठी मां' की शूटिंग के दौरान उन्हें पहली बार इस पर्व की परंपराओं और आस्था को करीब से समझने का मौका मिला। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह सिर्फ एक गाने की शूटिंग नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा का हिस्सा बनने का अनुभव था, जिससे वह पहले परिचित नहीं थे। आयुष्मान ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, 'पंजाबी होने के नाते मैंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। इसलिए पहली बार इस त्योहार को करीब से देखना और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए खास था। छठ से जुड़ी भावनाएं और इसका महत्व देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ। यह त्योहार जिस तरह लोगों को एक साथ जोड़ता है, वह बहुत खूबसूरत है।' उन्होंने कहा, 'छठ पूजा की हर रस्म का अपना अलग महत्व है और हर परंपरा के पीछे गहरी आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है। मेरे लिए इस गाने की शूटिंग किसी सामान्य फिल्मी काम जैसी नहीं थी। इस दौरान मुझे एक नई परंपरा को समझने और उसका हिस्सा बनने का मौका मिला।' आयुष्मान ने शूटिंग से जुड़ा एक भावुक पल साझा किया। उन्होंने बताया, 'छठ पूजा के क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी स्टारकास्ट को एक साथ बुलाया था। इस दौरान उन्होंने सभी कलाकारों को छठ पूजा से जुड़ा एक गाना सुनाया। यह पल इतना भावुक था कि वहां मौजूद सभी लोगों की आंखों में आंसू आ गए। वह पल पूरी टीम के साथ रह गया और इसके बाद छठ पूजा के सीक्वेंस को फिल्माने का अनुभव और भी खास हो गया।' उन्होंने बताया, 'सूरज बड़जात्या ने इस सीक्वेंस को जिस संवेदनशीलता के साथ तैयार किया और छठ की परंपराओं को जिस अहमियत के साथ दिखाने की कोशिश की, उससे पूरी स्टारकास्ट प्रभावित हुई। फिल्म में इस पर्व की रस्मों और उससे जुड़ी भावनाओं को वास्तविक अंदाज में दिखाने पर खास ध्यान दिया गया है।' 'बुलाए छठी मां' गाने में छठ पूजा की आस्था, भक्ति और परंपराओं को दिखाया गया है। छठ भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे खास तौर पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत देश के कई हिस्सों में रहने वाले लोग भी इस पर्व को पूरे उत्साह से मनाते हैं।

विवेक अग्निहोत्री फूटा गुस्सा

फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने दिवाली पर पटाखों से होने वाले संभावित खतरों पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि भारत की संस्कृति मासूम जिंदगियों, घरों और



संपत्ति को खतरे में डालने की इजाजत नहीं देती। निर्देशक ने अपने एक्स अकाउंट पर मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के एक ट्वीट का जवाब दिया, जिसमें मेयर ने जिम्मेदारी के साथ दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने की अपील की थी। विवेक अग्निहोत्री ने अपने घर में हुए एक हादसे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके कुत्तों ने एक भटकते हुए रॉकेट के बारे में समय रहते सचेत कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने लिखा, कल रात, एक भटकता रॉकेट हमारी बालकनी में रखे सोफे पर आ गिरा, जिससे उसमें आग लग गई। शुक्र है कि हमारे कुत्तों ने हमें आगाह कर दिया, जिससे आग-रोधी कपड़े की वजह से बड़ा हादसा टल गया।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा-

'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'

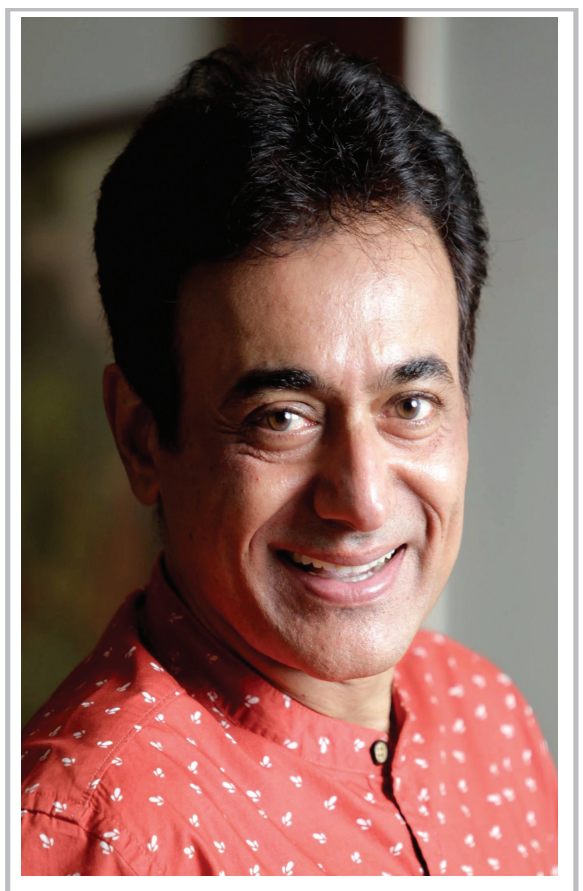


अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, 卐मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी' जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।卐 उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 卐सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।卐 बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, 卐मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।卐 श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका दुग्गल - फैंस कंफ्यूज थे, फिर भी देखने पहुंचे थिएटर

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों फिल्म 'मिर्जापुर- द मूवी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि शुरुआत में लोग परेशान थे कि मेकर्स अगले सीजन के बजाय फिल्म क्यों लेकर आ रहे हैं। रसिका दुग्गल ने बताया कि फैंस अक्सर उनसे अगले सीजन के बारे में पूछते थे, तो उन्हें समझाना पड़ता था कि इस बार टीम ने सीजन नहीं, बल्कि फिल्म बनाई है और उन्हें थिएटर में जाकर देखने के लिए कहना पड़ता था। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने सीरीज को देखा है, उनके लिए थिएटर में अभी भी बहुत कुछ बाकी है।' रसिका दुग्गल ने फिल्म के प्राइम वीडियो पर आने वाले एक्सटेंडेड कट के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ये उन फैंस के लिए कुछ एक्स्ट्रा है, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को हमेशा सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि हमारे फैंस ने फिल्म को भी बहुत पसंद किया और थिएटर में जाकर इसे देखा। मुझे पूरा भरोसा है कि वो इसे दोबारा भी देखेंगे, भले ही एक्सटेंडेड कट न होता, लेकिन अब हमारे पास उन्हें देने के लिए कुछ और भी है।' रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर- द मूवी' है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल ने बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभाया है। यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है, बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए तरीके से पेश किया गया। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिले हैं, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे। फिल्म में मुन्ना और कालीन भैया के व्यवहार से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब और किरदारों की बैकस्टोरी भी देखने को मिली। फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई गई है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर द मूवी' में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में हैं।





रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफ वापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया।
अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि शानदार दृश्य प्रभाव और आधुनिक तकनीक किसी धार्मिक महाकाव्य की दार्शनिक गहराई और आध्यात्मिक सार का विकल्प नहीं हो सकते। नीतीश भारद्वाज ने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने को लेकर भी सवाल उठाए। उनका मानना है कि देश की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित फिल्म बनाते समय जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। यदि किसी फिल्म में भारतीय इतिहास, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिनिधित्व के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा।
गौरतलब है कि नीतीश भारद्वाज ने इससे पहले फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उस समय उन्होंने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की संभावना भी जताई थी। हालांकि, पूरी फिल्म देखने के बाद उनका नजरिया बदल गया और उन्होंने अपनी पुरानी प्रशंसा वापस ले ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म को लेकर अब अभिनेता की प्रतिक्रिया के बाद चर्चा तेज हो गई है।

रामायण का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, पहले हफ्ते में 430 करोड़ की ओर फिल्म

दिवाली की छुट्टियों का फायदा रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लगातार मिल रहा है। सोमवार को अब तक का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने मंगलवार को भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी। छठे दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई करते हुए मंगलवार के कलेक्शन का नया रिकॉर्ड बना दिया। खास बात यह है कि दिवाली के बाद भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। फिल्म के हिंदी वर्जन ने मंगलवार को 75.03 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यह किसी मंगलवार को फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा कलेक्शन बताया जा रहा है। सोमवार को दिवाली के मौके पर फिल्म ने 95 करोड़ रुपये की कमाई की थी। लगातार दो दिनों के इन आंकड़ों ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। 'रामायण' ने रिलीज के पहले दिन गुरुवार को 47 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की थी। शुक्रवार को इसका कारोबार 38.25 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को कलेक्शन 37 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को दिवाली के दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 95 करोड़ रुपये का कारोबार किया। मंगलवार को भी 75.03 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। इस तरह फिल्म का हिंदी वर्जन छह दिनों में कुल 345.28 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुका है। यह आंकड़ा बताता है कि फिल्म को शुरुआती वीकेंड के साथ-साथ त्योहारों के दौरान भी दर्शकों का मजबूत समर्थन मिल रहा है।





सलमान खान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन

देशभक्ति और बलिदान की कहानी लेकर आए भाईजान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है।
ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है। देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है।
सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। वहीं चित्रांगदा सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री कहानी को भावनात्मक मजबूती देती है। फिल्म की खूबसूरत लोकेशन, सिनेमैटोग्राफी और संगीत भी दर्शकों का ध्यान खींचते हैं। फिल्म का संदेश है कि युद्ध का परिणाम कभी सुखद नहीं होता। इसमें दोनों पक्षों को जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है और इसका असर केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सैनिकों के परिवारों को भी लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और इसका निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले हुआ है।



मेहंदी से बाल हो गए हैं ड्राई तो आप भी ट्राई कर सकती हैं ये होममेड हेयर मास्क

आमतौर पर लोग सफेद बालों को कलर करने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं। मेहंदी के इस्तेमाल से बालों को अच्छा कलर तो मिल जाता है और कुछ दिनों के लिए बालों के सफेद दिखने की समस्या भी कम हो जाती है। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई होने लगते हैं और ड्राई बाल मुख्य रूप से हेयर फॉल का कारण भी बनते हैं। अक्सर मेहंदी अप्लाई करते समय हम कुछ गलतियां करते हैं जिसकी वजह से बाल ज्यादा ड्राई हो जाते हैं। जैसे मेहंदी से पहले बालों में तेल न लगाना और रूखे बालों में ही मेहंदी लगाना।

जब हम रूखे बालों में ही मेहंदी का इस्तेमाल करने लगते हैं तो मेहंदी लगाने के बाद बाल और ज्यादा रूखे और बेजान हो जाते हैं। अगर आपके बाल भी मेहंदी के बाद ज्यादा ड्राई हो जाते हैं तो आप इनकी ड्राइनेस कम करने के लिए बालों में कुछ होममेड हेयर मास्क अप्लाई कर सकती हैं। ये हेयर मास्क वैसे तो पूरे तरह से प्राकृतिक हैं और इनका बालों में कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है लेकिन बालों में ये हेयर मास्क अप्लाई करने से पहले आप विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें क्योंकि सभी के बालों का प्रकार अलग होता है और किसी भी सामग्री का असर आपके बालों पर अलग तरीके से हो सकता है।

बालों में मेहंदी लगाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप बालों में मेहंदी अप्लाई करती हैं तो आपको सबसे ज्यादा ध्यान में रखने वाली बात ये है कि मेहंदी लगाने से पहले किसी भी ऑयल जैसे जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें।

ब्राउन शुगर और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

ब्राउन शुगर बालों के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट है जो आपके स्कैल्प से उन मृत त्वचा कोशिकाओं और किसी भी बचे हुए अवशेष के निर्माण से छुटकारा पाने में मदद करता है। वहीं जैतून का तेल हमेशा सूखे बालों के इलाज के लिए प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में उपयोग किया जाता है। यह बालों को नमी प्रदान करके बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शुगर – 2 बड़े चम्मच
जैतून का तेल– 1 बड़ा चम्मच

हेयर मास्क बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक बाउल में चीनी और तेल को एक साथ मिलाकर हेयर मास्क तैयार करें।
- इस हेयर मास्क को अपने बालों में ऊपर से नीचे तक लगाएं।
- हेयर मास्क को अपने बालों पर 15–20 मिनट के लिए लगा रहने दें।
- बालों को शॉवर कैप से ढककर रखें।
- 15 –20 मिनट के बाद बालों को अच्छी तरह से शैम्पू करें और शैम्पू के बाद बालों में कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

मेहंदी बालों से हटाने के तुरंत बाद शैम्पू न करें बल्कि कम से कम 12 घंटे बाद ही बालों को शैम्पू करें। शैम्पू के बाद आप कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि मेहंदी बालों को ड्राई कर सकती है।

बालों में मेहंदी के बाद होममेड हेयर मास्क क्यों जरूरी है

यदि आप मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों में होममेड हेयर मास्क अप्लाई करती हैं तो ये 20 मिनट से भी कम समय में आपके बालों को ढेर सारे लाभ प्रदान करने में मदद करता है। हेयर मास्क आपके बालों को मुलायम और हाइड्रेटिंग बनाने के साथ बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देने, बालों में चमक जोड़ने और यहां तक कि बालों के झड़ने को कम करने में भी मदद करते हैं। आइए जानें मेहंदी का बालों में इस्तेमाल करने के बाद आप कौन से हेयर मास्क का इस्तेमाल अपने बालों में कर सकते हैं।



नारियल तेल का हेयर मास्क

नारियल तेल बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है और मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों को भी शाइन प्रदान करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शहद – 1 बड़ा चम्मच
नारियल तेल – 1 बड़ा चम्मच

बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल और 1 बड़ा चम्मच शहद डालकर आपस में अच्छी तरह से मिलाएं।
- मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और इसे गर्म करें ताकि शहद और नारियल का तेल एक दूसरे में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए।
- मिश्रण को वापस बाउल में डालें और ठंडा होने दें। फिर, अपने बालों पर ऊपर से नीचे तक मास्क लगाएं और अपने पूरे बालों पर पूरी तरह से अप्लाई करें। यदि आपकी जड़ें आमतौर पर काफी ऑयली हैं, तो केवल मध्य लंबाई से नीचे तक मास्क लगाएं।
- बची हुई नमी को बनाए रखने के लिए शॉवर कैप लगाएं।
- 20 मिनट के बाद अपने बालों को गर्म पानी से धो लें और हमेशा की तरह शैम्पू और कंडीशनर करें।
- अगर आपके बाल मेहंदी लगाने के बाद रूखे हो गए हैं तो आपको बालों की ज्यादा देखभाल करने की जरूरत है। इसके लिए यहां बताए हेयर मास्क अप्लाई करें। लेकिन इन मास्क का इस्तेमाल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।



वेडिंग गिफ्ट जा रही हैं खरीदने तो इन जरूरी बातों को रखें खास ख्याल

शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में सिर्फ कपड़े–गहने ही नहीं बल्कि गिफ्ट की भी खरीदारी शुरू हो जाती हैं। खासकर अगर शादी घर के किसी सदस्य की हो तो इस बात को सोचना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि आखिर गिफ्ट में दूल्हा और दुल्हन को क्या दिया जाए? बता दें कि इंडियन वेडिंग में महंगे तोहफे देने का रिवाज काफी पुराना है, लेकिन अब समय काफी बदल गया है, ऐसे में बजट के साथ–साथ जरूरत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वहीं कुछ लोग वेडिंग गिफ्ट खरीदारी में समय अधिक चला जाता है। दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोग गिफ्ट को लेकर काफी कंफ्यूजन रहते हैं, ऐसे में हम पहले डिसाइड कर लें, तो पैसे और समय दोनों को बचाया जा सकता है। इसलिए वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी करते वक्त कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वेडिंग गिफ्ट सेलेक्शन

वेडिंग गिफ्ट में क्या दें, यह सबसे बड़ा सवाल होता है। आप इसे बारे में दूल्हा या फिर दुल्हन से सवाल भी नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा दूसरों से पूछने पर वो अलग से आपको आइडिया दे सकते हैं। इस तरह कंफ्यूजन काफी बढ़ जाता है, इसलिए बेहतर है कि आप खुद तय करें कि शादी के बाद दूल्हा और दुल्हन को किन चीजों को जरूरत अधिक पड़ती है। उसे ध्यान में रखते हुए गिफ्ट की खरीदारी करें। इसके अलावा गिफ्ट इस उम्मीद से ना दें, आपको वापस मिल सकता है। गिफ्ट अच्छा और जरूरत को ध्यान में रखकर दें।

कैश रजिस्टरी का ऑप्शन चुने

वेडिंग गिफ्ट के तौर पर कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, आज कल डेस्टिनेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। ऐसे में साथ में गिफ्ट ले जाना काफी ओल्ड फैशन हो सकता है। आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। कैश रजिस्ट्री कराने से न्यूली मैरिड कपल अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चीजें खरीद सकती हैं। वहीं कपल भी चाहें तो इस कैश को आने वाले समय के लिए सेव भी कर सकते हैं।

खरीदारी से पहले बजट सेट करें

वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले बजट तय कर लें। दरअसल, कई बार मार्केट में खरीदने कुछ जाते हैं और खरीदकर कुछ लाते हैं। मार्केट में चीजें की तरह–तरह होती हैं, जिसे लेकर कंफ्यूजन काफी होता है। अगर आप बजट सेट करने से आप कंफ्यूज नहीं होंगे और उतनी ही कीमत में आप गिफ्ट खरीदकर लाएंगे। इस तरह आप फिजूलखर्ची से भी बच सकती हैं।

ऑफलाइन और ऑनलाइन चेक करें

कई बार हम वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी आखिरी समय में करते हैं, ऐसे में आप चाहे तो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, घर की शादी में काफी तैयारी करनी पड़ती है।



ऑफलाइन खरीदारी में काफी समय चला जाता है, ऐसे में आप समय को बचाना चाहती हैं तो ऑनलाइन खरीद सकती हैं। वहीं अगर आप ने तय कर लिया कि आपको दूल्हा और दुल्हन को गिफ्ट में क्या देने वाली हैं तो उसे ऑनलाइन पहले चेक कर लें। इसके बाद समय है तो ऑफलाइन खरीदारी कर सकती हैं।

क्वालिटी जरूर करें चेक

अक्सर ऐसा देखा होगा कि लोग शादी के गिफ्ट के तौर पर एक नहीं कई चीजें देते हैं। हालांकि, जब बाद में उसे चेक करें तो कई चीजें खराब या फिर इस्तेमाल के योग्य नहीं होती। इससे छवि खराब होती है, इसलिए एक साथ कई सारी चीजें तोहफे में देने के बजाय एक ही चीज सेलेक्ट और उसे गिफ्ट करें। कोशिश करें कि खरीदारी करते वक्त वेडिंग गिफ्ट को अच्छी तरह चेक कर लें। उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए।



घर पर बनाएं मूंग दाल डोसा

साउथ इंडियन खाने का अपना अलग ही मजा है। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दक्षिण भारतीय व्यंजन हेल्दी भी हो सकते हैं, क्योंकि उनमें तेल की मात्रा कम से कम होती है। इडली, डोसा, सांभर, रसम, वड़ा, अप्पम, लेमन राइस जैसे अन्य कई व्यंजनों को देखकर आपके मुंह भी पानी आता होगा? दूसरी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इनका आनंद सुबह नाश्ते, ब्रंच, लंच, स्नैक्स और डिनर में भी ले सकते हैं।

आज हर शहर में आप साउथ इंडियन फूड का आनंद ले सकते हैं। इतना ही नहीं, घर पर भी इन्हें बनाया जा सकता है। अब बात करें डोसा की, तो आज हम आपके लिए डोसा की रेसिपी लेकर आए हैं, लेकिन यह आम डोसा नहीं, बल्कि मूंग दाल से बनने वाला डोसा है। इसे आप केवल दो मिनट में बना भी सकते हैं।

बनाने का तरीका

- मूंग दाल का डोसा बनाने के लिए पहले जरूरी सामग्री को इकट्ठा कर लें। मूंग दाल को कुछ देर पहले भीगोकर रखें। उसके बाद एक मिक्सी में भीगी हुई मूंग दाल, थोड़ा–सा पानी, अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड कर लें।
- जब बैटर तैयार हो जाए तो उसे एक भगोने में निकाल कर रख लें। अब तैयार बैटर में स्वादानुसार नमक और दो चम्मच चावल का आटा डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब एक तवा गर्म करें और उस पर यह बैटर फैला लें। थोड़ी देर सेकने के बाद बैटर के ऊपर हल्का–सा तेल डालें और फिर आलू का मसाला डालने की बजाय उसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर और धनिया डालें।
- इसे कुछ सेकंड सेकने के बाद डोसा फोल्ड करें और एक प्लेट पर निकाल लें। स्वादिष्ट टमाटर और नारियल की चटनी के साथ मूंग दाल के इस डोसे को सर्व करें।
- घर पर मूंग दाल का डोसा बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने में आपको केवल दो मिनट लगेंगे। आइए जानें इसकी आसान रेसिपी

सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 इंच अदरक
2 चम्मच चावल का आटा,
1 हरी मिर्च
आधा कप पानी,
स्वादानुसार नमक
1 बारीक कटा प्याज
1 बारीक कटा टमाटर
1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया

विधि

- भीगी हुई मूंग दाल को एक मिक्सी में डालें और उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड करें।
- बैटर को एक भगोने में निकालें और उसमें चावल का आटा और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।
- अब एक तवा गर्म करें और उसमें तैयार बैटर फैलाएं। ऊपर से हल्का–सा तेल डालें और कुछ देर सेक लें।
- अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और धनिया डालें। डोसा को फोल्ड कर एक प्लेट में निकालें और चटनी के साथ सर्व करें।



शादियों का सीजन चल रहा है और जिनकी शादी होने वाली है, उन्होंने अभी से इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शादी की तैयारियां केवल शॉपिंग पर खत्म नहीं होती हैं, बल्कि जल्द न्यूली वेड कपल बनने की तैयारी कर रहे जोड़े अपने रूम को सजाने और संवारने के बारे में भी बातें करते हैं।

ऐसा होना चाहिए न्यूली वेड कपल का बेडरूम

दुल्हन का आगमन हजारों खुशियां लेकर आता है। हिंदू धर्म में तो दुल्हन को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसे में देवी लक्ष्मी का गृह प्रवेश परिवार में सुख और समृद्धि लेकर आए, इसके लिए घर में जुड़ने वाली नई सदस्या का खुश रहना बहुत जरूरी है। किसी को भी सबसे ज्यादा सुकून उसके अपने कमरे में मिलता है, इसलिए न्यूली वेड कपल का कमरा सेट करते वक्त कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा कैसा होना चाहिए, इस परएस्ट्रोलॉजर एवं वास्तु एक्सपर्ट कहती हैं, 'न्यूली वेड कपल के कमरे की दिशा, रंग और उसमें रखे सामान का वास्तु के हिसाब से होना बहुत जरूरी है। इससे उनका रिश्ता बेहतर बनता है और परिवार के लिए भी सब कुछ शुभ होता है।'

बेडरूम की दिशा

वास्तु एक साइंस है और 'वे ऑफ आर्किटेक्चर' है। इसमें दिशाओं का विशेष महत्व होता है।' इसलिए वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा साउथ–ईस्ट दिशा में होना चाहिए और घर की सबसे ऊपर वाली मंजिल में होना चाहिए। हालांकि, कई बार वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा सही दिशा में नहीं होता है। ऐसे में वास्तु दोष को दूर करने के लिए कमरे में बेड की सेटिंग इस तरह होनी चाहिए कि दुल्हन का सिर साउथ में और पैर नॉर्थ में हो। इस दौरान ध्यान रखें कि पैर एकदम दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए। अगर इस दिशा में सोने की व्यवस्था नहीं हो पा रही हैं तो ईस्ट की ओर सिर किया जा सकता है। लेकिन जब भी आपको कंसीव करना हो तो अपने सोने की जगह को बदल लें।

बेड कैसा होना चाहिए

सोशल डेकोरेशन को भूल कर आपको लकड़ी का ही बेड अपने लिए चुनना चाहिए। 'मेटल में कोल्ड एनर्जी होती होती है और वुड में वॉर्म एनर्जी होती है। न्यूली वेड कपल्स को वॉर्म एनर्जी की जरूरत होती है।' इसके साथ ही, इस बात का ध्यान रखें कि बेड में अगर बॉक्स भी है तो उसमें कोई भी कबाड़ न रखें और न ही कोई धारदार चीज रखें। यहां तक की बेड पर पड़ा गद्दा भी सिंगल होना चाहिए।

कैसा होना चाहिए कमरे में शीशा

शीशा आपका प्रतिबिंब बनाता है। किसी भी चीज को डबल करना और एनर्जी को फैलाना शीशे की प्रॉपर्टी होती है। इसलिए शीशे का सही दिशा में होना जरूरी है। सोते वक्त शीशे में आप नजर न आएं इसके लिए हमेशा शीशा बेड के बगल में होना चाहिए।

कमरे का डेकोरेशन कैसा होना चाहिए

कमरे के डेकोरेशन में सबसे ज्यादा लोग फोटो फ्रेम्स का इस्तेमाल करते हैं। न्यूली वेड कपल्स को भी अपने कमरे में हमेशा ऐसी तस्वीरें लगानी चाहिए, जो उन्हें खुशी दें। भगवान की तस्वीर कभी न लगाएं, सोलो व्यक्ति की तस्वीर न लगाएं और जंगली जानवरों की तस्वीरें भी न लगाएं। कपल अपनी भी तस्वीर लगा सकते हैं।

कमरे का रंग कैसा होना चाहिए

अपना फेवरेट कलर ही कमरे की दीवारों पर कराएं। हो सके तो कमरे में कहीं न कहीं लाल रंग का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि यह रंग एनर्जी को बढ़ाता है और कपल के बीच के प्रेम संबंधों को मधुर बनाता है। ज्यादा लाल रंग न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे कंसीव करने में दिक्कत आती है और लड़ाई झगड़े भी होते हैं।



सिर्फ सेहत ही नहीं, घर चमकाने के काम भी आता है जैतून का तेल

जैतून तेल का इस्तेमाल सेहत और ब्यूटी से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि यह घर की सफाई में भी मददगार है। जी हां, जैतून के तेल से आप घर की साफ–सफाई भी कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह जैतून के तेल का इस्तेमाल आपके घर की छोटी–छोटी प्रॉब्लम को दूर करता है।

लकड़ी के फर्श को करें साफ

1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1/2 चम्मच व्हाइट विनेगर को मिक्स करके उसे अपनी घर की फर्श को साफ करें। यह आपके फर्श को नए जैसा चमका देगा और इससे फर्श के दाग–धब्बे भी आसानी से साफ हो जाएंगे।

पुराने फर्नीचर को रखें नए जैसा

लकड़ी के फर्नीचर की अलग सही तरीके से देखभाल न की जाए तो वह खराब होने लगते हैं। ऐसे में आप कपड़े पर हल्का–सा जैतून का तेल लगाकर लकड़ी के फर्नीचर को साफ करें। उसके बाद सूखे कपड़े के फर्नीचर साफ करें। इससे आपका पुरानी वुडन फर्नीचर भी नया लगेगा।

बर्तनों को चमकाएं

रसोई में खाना बनाते हुए कई बार बर्तन जल जाते हैं। ऐसे में सबसे पहले उसपर व्हाइट विनेगर और बेकिंग सोडा डालकर बर्तन को साफ करें। फिर उसपर जैतून का तेल और नमक डालकर स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे आपका बर्तन बिल्कुल साफ हो जाएगा।

जूट फर्नीचर की सफाई

जूट के फर्नीचर में गंदगी आसानी से नहीं निकलती और उसकी शाइन खोने लगती है। वैक्यून क्लीनर से सफाई करने के बावजूद भी वह अच्छी तरह साफ नहीं होते। ऐसे में आप कपड़े पर जैतून का तेल लगाकर फर्नीचर की सफाई करें। इससे उसकी धूल–मिट्टी भी आसानी से निकल जाएगा और नया भी लगने लगेगा।